Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 203 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, गुरुवार 06 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

अनुच्छेद 370 हटने के सात वर्ष पूरेः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गिनाईं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की विकास उपलब्धियां

नई दिल्ली। 5 अगस्त 2026। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35(ए) हटाए जाने के सात वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 अगस्त 2019 भारतीय इतिहास की एक ऐतिहासिक तिथि है, जिसने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विकास की नई दिशा तय की। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बाद दोनों क्षेत्रों में विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए अध्याय की शुरुआत हुई तथा आम नागरिकों को भारतीय संविधान के तहत समान अधिकार और अवसर प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास का हिस्सा बन गए। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विकास की गति तेज हुई और बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, उद्यमिता, निवेश तथा खेल जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य दोनों क्षेत्रों के प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने से महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्गों और अन्य वंचित समुदायों को वे सभी संवैधानिक अधिकार और सुविधाएं मिलीं, जिनसे वे लंबे समय तक वंचित रहे थे। उन्होंने कहा कि समान अधिकार, समान अवसर और समान विकास की भावना को मजबूत करने की दिशा में यह निर्णय मील का पत्थर साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में सड़क, रेल, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा संस्थानों और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में तेजी से काम हुआ है। पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि, निवेश को बढ़ावा और युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी विकसित हुए हैं। खेलों के क्षेत्र में भी खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार दोनों क्षेत्रों के समग्र विकास, सुशासन और पारदर्शी प्रशासन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख विकास, शांति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करेंगे तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इस वर्ष 5 अगस्त का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत के लिए डॉ. मुखर्जी ने जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 के ऐतिहासिक निर्णय के माध्यम से साकार हुआ।

SHORT NEWS

चलती कार में स्टंटबाजी, हाईकोर्ट ने SSP से शपथपत्र मांगा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर नेशनल हाईवे पर चलती कार में सनरूफ से बाहर निकलकर युवतियों के स्टंटबाजी पर एसएसपी से एफिडेविट मांगा है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने रजनेश सिंह से पूछा है कि अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। बता दें कि हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद चलती कारों में स्टंट करने और रील बनाने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कैबिनेट के बड़े फैसले, 500 करोड़ केएआई मिशन सहित विकास को मिली नई रफ्तार

रायपुर। 5 अगस्त 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के विकास, सुशासन, डिजिटल परिवर्तन, औद्योगिक निवेश और आधारभूत संरचना को नई गति देने वाले कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन, भारी मशीन निर्माण संयंत्र, लोक निर्माण विभाग के डिजिटल प्रबंधन, ग्रामीण सड़क विकास, ऊर्जा क्षेत्र, वित्तीय सुधार और विजन-2047 से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की।

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन' को मंजूरी देना रहा। पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपये की लागत से संचालित होने वाले इस मिशन के तहत राज्यभर में 100 AI डेटा लैब, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे तथा 300 से अधिक AI स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख शासकीय कर्मचारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन की कार्यप्रणाली को अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए 50 से अधिक AI आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी। यह मिशन भारत सरकार के **IndiaAI Mission** के अनुरूप छत्तीसगढ़ को भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कैबिनेट ने राज्य में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड के हैवी अर्थ मूविंग इक्विपमेंट निर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए रियायती दर पर भूमि आवंटन को भी मंजूरी दी। यह छत्तीसगढ़ का पहला भारी मशीन निर्माण उद्योग होगा। इसके स्थापित होने से बड़े निवेश आकर्षित होंगे, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे राज्य विनिर्माण क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा।

लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों की पारदर्शिता और गति बढ़ाने के लिए वर्क्स एंड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम के प्रथम चरण को मंजूरी दी गई। सी-डैक, पुणे द्वारा विकसित इस डिजिटल प्रणाली के माध्यम से स्वीकृति, ई-प्राक्कलन, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक, बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा गुणवत्ता निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। भविष्य में इसे अन्य निर्माण विभागों में भी लागू किया जाएगा।

ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना के दिशा-निर्देशों में संशोधन किया गया है। अब ग्रामीण गलियों में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण को बढ़ावा मिलेगा तथा सड़क निर्माण से पहले मनरेगा के तहत मिट्टी कार्य की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। साथ ही योजना का दायरा बढ़ाकर उन सभी ग्रामीण मार्गों को शामिल किया गया है, जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अथवा अन्य योजनाओं में शामिल नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ में निराश्रित मवेशियों के संरक्षण के लिए बड़ी पहल, प्रदेश में स्थापित होंगे 1460 गौधाम

रायपुर। राज्य में घुमंतू और बेसहारा पशुओं को सुरक्षित आश्रय देने, गौ-संरक्षण को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 'गौधाम योजना' को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में कुल 1,460 गौधामों की स्थापना करने का लक्ष्य रखा गया है।

घुमन्तू एवं निराश्रित पशुधन के व्यवस्थापन हेतु शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग रायपुर ने गौधाम योजना के तहत 1460 गौधामों की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गई। प्रत्येक विकासखंड में उत्कृष्ट 10 गौठानों का चयन कर गौधाम विकसित किए जाएंगे। 408 आवेदनों में से 151 आवेदनों को प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है। 88 गौधामों का पंजीयन पूर्ण अब तक किए जा चुके हैं। वर्तमान में संचालित 42 गौधामों में लगभग 5 हजार 109 निराश्रित पशुओं को संरक्षण दिया जा रहा है। संयुक्त संचालक (पशु चिकित्सा सेवाएं) से मिली जानकारी के अनुसार, प्रथम चरण में ऐसे गौठानों का चयन किया गया है जो राष्ट्रीय राजमार्गों के समीप स्थित हैं और जहां सभी आवश्यक अधोसंरचनाएं पूर्ण हैं। गौधामों का संचालन स्वयंसेवी संस्थाओं, पंजीकृत गौशालाओं, एनजीओ, एफपीओ और ट्रस्ट के माध्यम से किया जाएगा।

स्वास्थ्य अधोसंरचना को मिलेगी नई गतिः मंत्री जायसवाल

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में स्वास्थ्य अधोसंरचना को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सचिव एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव के साथ विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इनमें ट्रॉमा सेंटर, क्रिटिकल केयर यूनिट, नवीन सिकल सेल इंस्टीट्यूट, बॉयज एवं गर्ल्स हॉस्टल तथा स्टाफ रेजिडेंशियल बिल्डिंग जैसे महत्वपूर्ण निर्माण शामिल हैं। ये सभी परियोजनाएं प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

बैठक में आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई, ताकि परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए, जिससे आमजन को स्वास्थ्य सुविधाओं का बेहतर लाभ शीघ्र मिल सके।

भोरमदेव सरस मेला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का पालन करने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की अपील

रायपुर। पवित्र श्रावण माह में कबीरधाम जिले में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध भोरमदेव सरस मेला एवं सावन में इस वर्ष लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। मेले की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के पालन की अपील सभी दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं से की है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव धाम हमारी आस्था, संस्कृति और प्रकृति की अमूल्य धरोहर है। सरस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस पवित्र स्थल को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त रखने में अपना सहयोग दे। सभी के सहयोग से इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता बनी रहेगी तथा हमारा भविष्य भी प्रदूषण मुक्त होगा।

उप मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि हमारा प्रयास हो कि यह संभागीय सरस मेला तथा पूरा भोरमदेव परिसर प्लास्टिक मुक्त हो। प्लास्टिक के स्थान पर वैकल्पिक रूप से कपड़े की अथवा जूट के बैक का इस्तेमाल किया जाए जो प्रकृति के अनुकूल हो। सभी दुकानदार एवं शिविर संचालक गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग रखने का प्रयास करें। कचरा केवल निर्धारित कचरा गाड़ी एवं कचरा पात्र में ही डालें। सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया की वे घर से कपड़े का थैला, पानी की बोतल साथ लेकर आएं और खुले में कचरा न फेंकें।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों, स्व-सहायता समूह की दीदियों, मितानिन बहनों एवं स्वच्छाग्रहियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के पालन हेतु स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। शपथ में सभी ने कचरा अलग-अलग करने, प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं अपने गांव तथा भोरमदेव धाम को स्वच्छ बनाये रखने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने कबीरधाम जिला को प्लास्टिक मुक्त बनाने की शपथ लेकर अपने जान पहचान वालों पड़ोस के लोगों एवं गांव के अन्य लोगों को इस कार्य के लिए जागरूक करने की बात कही।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से 97 गांवों में होगा विद्युत विस्तार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधानसभा की विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत भटगांव विधानसभा क्षेत्र के 97 गांवों में विद्युत विस्तार कार्य स्वीकृत किया गया है।

लगभग 11.62 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत इस परियोजना के माध्यम से सूरजपुर जिला के दूरस्थ गांवों और मोहल्लों तक विद्युत सुविधा पहुंचाई जाएगी, जिससे हजारों ग्रामीण परिवार लाभान्वित होंगे।

राज्य शासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत कार्यों में विकासखंड भैयाथान के 36 गांवों के लगभग 109 मोहल्लों/पारों, विकासखंड ओड़गी के 32 गांवों के लगभग 68 मोहल्लों/पारों तथा विकासखंड सूरजपुर के 29 गांवों के लगभग 53 मोहल्लों/पारों में विद्युत विस्तार किया जाएगा।

यह परियोजना विशेष रूप से उन ग्रामीण और जनजातीय बस्तियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां अब तक पर्याप्त विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं थी। बिजली पहुंचने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्य, पेयजल व्यवस्था, कृषि आधारित गतिविधियों तथा ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास की रोशनी को अंतिम छोर तक पहुंचाना है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वीकृति भटगांव विधानसभा के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति देगी।

NMEO योजना से किसान ने एक एकड़ में लगाई मूंगफली

अम्बिकापुर । कृषि विभाग की राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम एवं तिलहन योजना के तहत किसानों को उन्नत बीज एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका सकारात्मक परिणाम अब जिले के किसानों के खेतों में दिखाई देने लगा है।

सरगुजा जिले के ग्राम ईरगवां निवासी किसान बेसाहू राम पिता रामप्रसाद एक्का ने कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर योजना का लाभ लिया। उन्हें हृस्ध्रह्न योजना के अंतर्गत 40 किलोग्राम उन्नत किस्म का मूंगफली बीज उपलब्ध कराया गया, जिसे उन्होंने एक एकड़ कृषि भूमि में बोया।

किसान ने बताया कि ग्राम कृषि विस्तार अधिकारी के तकनीकी मार्गदर्शन में खेत की तैयारी, बुवाई एवं फसल प्रबंधन किया गया। वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के कारण बीज का अंकुरण बेहतर हुआ है तथा पौधों की बढ़वार भी अच्छी है। फसल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इस वर्ष मूंगफली के अच्छे उत्पादन की संभावना है, जिससे अच्छी आमदनी होगी।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि **NMEO** योजना के माध्यम से किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज, आधुनिक कृषि तकनीक तथा समय-समय पर तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जा रही है। इससे तिलहनी फसलों का उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर वैज्ञानिक पद्धति से खेती करें, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकें।

एक पेड़ मां के नाम के तहत दुधली में किया वृक्षारोपण

बालोद । एक पेड़ मां के नाम के तहत दुधली में वृक्षारोपण किया गया जिसे संरक्षण के साथ सुरक्षा भी करने का निर्णय लिया।

अटल बाजार परिसर के सामने बाजार चौक मालीघोरी में एक पेड़ मां के नाम (महतारी वंदन) के तहत तामेश्वरी देशमुख (लैब टेक्नीशियन) ने वृक्षारोपण किया जिसमें मोहित देशमुख, गैंदसिह देशमुख, लाकेश देशमुख, दानेश्वर देशमुख, छत्रपाल देशमुख, मुकेश जैन, संदीप नाहटा, डॉक्टर देशमुख, कपिल पटेल, भूपेंद्र धनकर सहयोग किया एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

गुण्डरदेही आगमन पर पूर्व सांसद मोहन मंडावी का स्वागत

बालोद। लोकसभा क्षेत्र कांकेर के पूर्व रामायणी सांसद माननीय मोहन मंडावी के गुण्डरदेही नगर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, पूर्व विधायक वीरेंद्र साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रमोद जैन, नगर पंचायत उपाध्यक्ष विजय सोनकर, एल्डरमैन गोकुल निषाद एवं चेतन सोनकर, पार्षद संतोष नेताम, तोमन साहू, अश्वनी यादव, सरपंच संघ अध्यक्ष लेख राम साहू सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। स्वागत उपरांत पूर्व सांसद मोहन मंडावी ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों, जनहित से जुड़े विषयों तथा संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की।

विधानसभा अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति में

कॉमनवेल्थ गेम्स रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव को जिला पंचायत अध्यक्ष ने दी बधाई

छुरिया/राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ विधानसभा के माननीय अध्यक्ष आदरणीय डॉ. रमन सिंह जी की गरीमामयी उपस्थित में उनके शंकर नगर रायपुर स्थित निवास कार्यालय में राजनांदगांव जिले की होनहार बेटी एवं कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाने वाली सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव से राजनांदगांव जिला पंचायत के प्रतिनिधियों ने आत्मीय मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद श्री अभिषेक सिंह जी भी उपस्थित रहे। जिला पंचायत राजनांदगांव के प्रतिनिधियों में जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण अमर साहू, जिला पंचायत सभापति श्रीमती जागृति यदु, जिला पंचायत सभापति श्रीमती बिरम मंडावी, जिला पंचायत सभापति श्री प्रशांत कोडापे व जिला भाजपा पूर्व महामंत्री श्री रविन्द्र वैष्णव भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति में ज्ञानेश्वरी यादव को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

साथ ही छत्तीसगढ़ विधानसभा के माननीय अध्यक्ष आदरणीय डॉ रमन सिंह जी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी द्वारा उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के सम्मान में उन्हें आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति प्रदान किए जाने पर भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ व्यक्त की गईं। आदरणीय डॉ साहब ने कहा कि सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव खेल और प्रशासन, दोनों क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, अनुशासन एवं समर्पण से छत्तीसगढ़ तथा भारत का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर गौरवान्वित करती रहेंगी। उनकी उपलब्धि प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है तथा यह सिद्ध करती है कि दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

श्री नर्मदेश्वर महादेव रेंघई में जलाभिषेक एवं विशेष पूजा अर्चना किया

बालोद। विकासखंड डौंडीलोहारा अंतर्गत ग्राम रेंघई मे खरखरा नहर के समीप नर्मदेश्वर महादेव का पुनर्निर्माण किया गया है जहां शिव जी पावन महिना सावन के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर सुरेंद्र साहू ,मंजु साहू,भोज बाई साहू,अमन साहू, शुभम साहू एवं सह परिवार जलाभिषेक कर विशेष पूजा अर्चना किया इस मंदिर की स्थापना स्वर्गीय फकीरा राम साहू, स्वर्गीय सुन्दरिया बाई साहू द्वारा सन 1975 में किया गया था जिसका पुनर्निर्माण 10 जनवरी 2026 को किया गया, सावन का प्रथम सोमवार के शुभ अवसर पर श्री नर्मदेश्वर महादेव का पूरे परिवार के द्वारा जलाभिषेक कर विशेष पूजा अर्चना किया गया। पूजा अर्चना पंडित श्री शुभमकृष्ण वैष्णव दुर्ग धनोरा निवासी द्वारा किया गया पूजा हवन पश्चात कन्या पूजन किया गया तथा निहारीका महिला भजन मंडली डौंडीलोहारा का आयोजन किया गया । जलाभिषेक व पूजा कार्यक्रम में लीलाधर साहू ,किरण साहू,रुपा साहू, सियाराम साहू, अनुसुइया साहू,प्रहलाद साहू ,पुरईन साहू मंगल साहू, रितु साहू ,डीलेश्वरी साहू, वेणुका साहू, पल्लवी साहू,बेबो साहू, राशि, साहू एवं समस्त बघमार परिवार एवं समस्त ग्राम वासियों का विशेष सहयोग रहा। श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में सावन का प्रथम सोमवार होने के कारण पूजा अर्चना करने श्रद्धालुओं व शिव भक्तों की भीड़ लगी हुई थी ।

गुरुद्वारा बंदीछोड़ तुमड़ीबोड़ में हुआ वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

राजनांदगांव । पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरु दी संगत वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में गुरुद्वारा बंदीछोड़, तुमड़ीबोड़ परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि नीलू शर्मा ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट के दौर में वृक्षारोपण ही प्रकृति के संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है।

डॉ. टुवानी के नेतृत्व में 2000 राखियां जाएंगी सिपाही भाइयों के लिए

बालोद । सिपाही रक्षा सूत्र का अभियान के तहत गांव-गांव पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की महिलाएं रक्षा सूत्र एकत्र कर रहीं हैं। 5 अगस्त को दुर्ग में सभी रक्षा सूत्र सैनिकों को रक्षा सूत्र बांधकर सौंपा जाएगा। डॉ मोना टुवानी के नेतृत्व में पूरे जिले से 2000 रक्षा सूत्र एकत्र करने के लक्ष्य पर आज भी महिला मोर्चा की महिलाएं जुटी हुईं हैं। भाजपा जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ टुवानी ने बताया कि रक्षाबंधन पर देश की सरहदों पर तैनात सैनिकों की कलाइयां सुनी ना रहे इसके लिए बालोद जिला भाजपा महिला मोर्चा की महिलाएं गांव-गांव पहुंचकर रक्षा सूत्र एकत्र की है। उन्होंने बताया कि सरहद पर तैनात सिपाही हर त्योहार पर हमारी रक्षा करने तत्पर रहते हैं। ऐसे में हर पर्व में सैनिकों के साथ इस तरह से खुशियां बांटने से उन्हें भी खुशी मिलती है और परिजनों को भी खुशी होती है। सिपाही रक्षा सूत्र अभियान के तहत पूरे प्रदेश भर से महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में रक्षा सूत्र एकत्र की जा रही है, जिसे अलग-अलग तिथि में सिपाहियों को सौपा जाएगा। इसी क्रम में बालोद जिले रक्षा सूत्र 5 अगस्त को दुर्ग में सिपाहियों को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत गांव गांव पहुंचने पर महिलाओं का बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला।

हर महिलाएं सिपाहियों को अपना रक्षा सूत्र भेजने आतुर नजर आईं। इस कार्य में जिले एवं पूरे 17 मंडल की टीम ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

शाहीन खान के निर्देशन में राज्य स्तर तक पहुँचे मॉडल

राजनांदगांव । भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की इंस्पायर अवॉर्ड योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं अनुसंधान की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित चयन प्रक्रिया में शासकीय हाई स्कूल पनेका के शैक्षणिक सत्र 2023-24 के तीन मॉडल राज्य स्तर के लिए चयनित हुए हैं। एक ही विद्यालय के तीन मॉडलों का राज्य स्तर पर चयन होना विद्यालय, क्षेत्र एवं जिले के लिए गौरव की उपलब्धि है। चयनित सभी मॉडल विद्यालय की विज्ञान विषय की व्याख्याता शाहीन खान के मार्गदर्शन में तैयार किए गए हैं। कक्षा 10वीं की छात्राओं लीनिमा, डोमेश्वरी एवं आयुषी देवांगन ने अपने-अपने मॉडल तैयार किए हैं। लीनिमा द्वारा विकसित बहुउद्देशीय स्मार्ट छड़ी वृद्धजनों को सहारा देकर सुरक्षित रूप से चलने में सहायता प्रदान करने के साथ-साथ जीपीएस आधारित लोकेशन प्रणाली, एलईडी प्रकाश, दवा एवं भोजन की याद दिलाने वाला अलार्म तथा आवश्यकता पड़ने पर कुर्सी में परिवर्तित होने जैसी सुविधाओं से युक्त है, जिससे यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। डोमेश्वरी ने वैज्ञानिक अवधारणा पर आधारित स्मार्ट झाड़ू तैयार किया है, जिसमें अंधेरे में प्रकाश की व्यवस्था, कम तीव्रता की विद्युत धारा के माध्यम से अति सूक्ष्म कीटों के नियंत्रण तथा अल्ट्रासोनिक तकनीक के जरिए बड़े कीटों को दूर रखने की व्यवस्था की गई है। वहीं आयुषी देवांगन द्वारा तैयार होल एवं कटर मशीन गड्ढा खोदने के साथ-साथ छोटे अनावश्यक पौधों एवं खरपतवार की कटाई करने में सहायक है, जो कृषि एवं बागवानी कार्यों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी विद्यालय की छात्रा तान्या साहू का सौर ऊर्जा आधारित स्मार्ट छतरी मॉडल राज्य स्तर के लिए चयनित हो चुका है। विशेष परावर्तक कपड़े से निर्मित इस छतरी में सौर ऊर्जा से संचालित बैटरी एवं छोटा पंखा लगाया गया है, जो धूप की गर्मी को परावर्तित कर छतरी के भीतर अपेक्षाकृत ठंडा वातावरण बनाए रखने के साथ ठंडी हवा भी प्रदान करता है। लगातार मिल रही इस सफलता से स्पष्ट है कि शासकीय हाई स्कूल पनेका में वैज्ञानिक नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित हो रही है।

टीबी मुक्त भारत अभियान : कलेक्टर ने जिले के नोडल अधिकारियों को अपने चिन्हांकन क्षेत्र का निरीक्षण करने के निर्देश

जिले के 444 ग्राम पंचायतों में टीबी मुक्त भारत अभियान

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में जिला नोडल अधिकारियों से टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा की। उन्होंने जिले के नोडल अधिकारी को अपने चिन्हांकन क्षेत्र में निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि कोई भी टीबी मरीज छुटने न पाए इसका ध्यान रखें। ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य टीम घर घर जाकर संभावित टीबी मरीजों का चिन्हांकन करके नि:शुल्क दवाई उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने ट्रू नैट कीट से मरीजों का सैंपल लेने के लिए कहा है। उन्होंने विकासखंड एवं नगरीय निकायों लिए नोडल अधिकारियों को श्टीबी मुक्त भारत अभियान का जिले में बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि टीम सघन जांच व उपचाररू स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से घर-घर टीबी मरीजों की पहचान कर समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। निक्षय मित्र व पोषण योजना के तहत पोषण किट वितरण एवं समाज की भागीदारी बढ़ाने के लिए निक्षय मित्रों को जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जीएस जात्रा के द्वारा बताया गया कि प्रति 1,000 की जनसंख्या पर 30 संदेहास्पद मरीजों की श्नाट मशीन से जांच कराना अनिवार्य है। जिले की कुल 444 ग्राम पंचायत है सभी ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त करने हेतु मिशन मोड में कार्य करना अनिवार्य है। जिला टीबी नोडल अधिकारी के द्वारा टीबी के प्रमुख लक्षण के बारे में विस्तार से बताया गया जिसमें 2 सप्ताह से अधिक खांसी, बलगम में खून आना, लगातार वजन कम होना तथा शाम को बुखार आना आदि। एवं हाय-रिस्क समूह 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों, डायबिटीज मरीजों, धूम्रपान ,शराब का सेवन करने वालों व अन्य गंभीर मरीजों की प्राथमिक स्तर पर जांच कराने हेतु जानकारी दिया गया। उन्होंने कहा कि जिले के निर्धारित स्वास्थ्य लक्ष्यों और टीबी उन्मूलन के सभी टारगेट को पूरा करने के लिए दिसंबर तक की समय-सीमा तय की गई है का जानकारी समस्त नोडल अधिकारी को दिया गया। बैठक में जिला पंचायत, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास और शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान : एचपीवी संक्रमण और सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लाभों की दी गई जानकारी

अम्बिकापुर । राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों में छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाव में एचपीवी वैक्सीन की प्रभावशीलता, टीकाकरण के लाभ एवं आवश्यक सावधानियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

दशमेश पब्लिक स्कूल में 60, कार्मेल स्कूल में 125 तथा होली क्रॉस स्कूल में 310 छात्राओं ने जागरूकता कार्यक्रम में सहभागिता की। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्राओं को बताया कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम का एक सुरक्षित एवं प्रभावी उपाय है। समय पर टीकाकरण कराने से भविष्य में इस गंभीर बीमारी के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं की एचपीवी संक्रमण एवं टीकाकरण से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें अपने अभिभावकों को भी एचपीवी टीकाकरण के महत्व के संबंध में जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले की सभी पात्र छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें तथा स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

कार्यक्रम के सफल संचालन में संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों के साथ स्वास्थ्य विभाग से शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सीमा तिग्गा, डॉ. चंदन केशरी, डॉ. साधना मिश्रा , शहरी सुपरवाइजर धनेश प्रताप सिंह एवं हिमालय फार्मासिस्ट का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

प्रशासन की तत्परता से टले दो बाल विवाह : भारी बारिश के बीच गांव पहुंचकर बच्चों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का अभियान लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। सुकमा जिले में जिला प्रशासन की तत्परता और संवेदनशील पहल से दो बाल विवाह समय रहते रोक दिए गए। यह कार्रवाई कवासीपारा, फूलबगड़ी गाँव में मूसलाधार बारिश के बीच की गई।

सूचना मिलते ही टीम पहुँची गाँव

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से बाल विवाह की सूचना मिलते ही जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तुरंत गाँव के लिए रवाना हुई। कठिन मौसम और बारिश के बावजूद टीम समय पर मौके पर पहुँची और दोनों बाल विवाह रुकवाने में सफल रही।

समझाइश से बदला परिवारों का फैसला

गाँव में विवाह की तैयारियाँ चल रही थीं। अधिकारियों ने स्थानीय परंपराओं का सम्मान करते हुए परिवारों से शांतिपूर्ण और संवेदनशील तरीके से बातचीत की। टीम ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी दी और बताया कि कम उम्र में विवाह से बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर असर पड़ता है।

प्रशासन की समझाइश का सकारात्मक परिणाम सामने आया। दोनों परिवारों ने बाल विवाह स्थगित करने का निर्णय लिया। बालिकाओं ने भी अपनी पढ़ाई जारी रखने और सुरक्षित भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इच्छा जताई।

पूरी कार्रवाई को पारदर्शी और वैधानिक बनाने के लिए मौके पर पंचनामा और घोषणा-पत्र तैयार कराया गया। इससे यह सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में बच्चों के अधिकारों का संरक्षण हो सके।

यह अभियान कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री शिवदास नेताम और जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री जितेंद्र सिंह बघेल के मार्गदर्शन में चलाया गया। इस कार्रवाई में संरक्षण अधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) सुश्री मनीषा शर्मा, सेक्टर सुपरवाइजर सुश्री रश्मि चन्द्रवंशी और सामाजिक कार्यकर्ता श्री जोगेंद्र दिर्दो की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुकमा की यह सफलता बताती है कि समय पर मिली सूचना, प्रशासन की तत्परता और संवेदनशील संवाद से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोका जा सकता है। यह पहल बच्चों के सुरक्षित, शिक्षित और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण है।

कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

महासमुंद । कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन में कुल 66 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया तथा शेष प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जनदर्शन के दौरान ग्राम मोंगरा के दिव्यांग अशोक साहू भी अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर को बताया कि उनकी पुरानी ट्राइसिकल क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण उन्हें आवागमन एवं दैनिक कार्यों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दिव्यांग अशोक की समस्या को संवेदनशीलता से लेते हुए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने तत्काल समाज कल्याण विभाग को नई ट्राइसिकल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निर्देश के अनुरूप अशोक साहू को नई ट्राइसिकल प्रदान की गई। ट्राइसिकल के मिलने पर उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

बालोद के खिलाड़ियों ने थाई बॉक्सिंग राज्य चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

बालोद। रायपुर स्थित अंजनेया यूनिवर्सिटी में दिनांक 01 अगस्त 2026 से 02 अगस्त 2026 तक आयोजित थाई बॉक्सिंग छत्तीसगढ़ स्टेट चैंपियनशिप में बालोद जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। ब्रदर्स कॉम्बैट क्लब, बालोद के जूनियर एवं सब-जूनियर खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग में सूर्यांश सोनी ने स्वर्ण पदक, बसंत लेंदिया ने रजत पदक तथा लिकेश ध्रुव ने कांस्य पदक जीता। वहीं अंडर-11 वर्ग में भाव्य देशलहरे ने स्वर्ण पदक जीतकर क्लब और जिले का नाम रोशन किया। इसके अलावा सन शाइन एकेडमी स्कूल, लाटाबोड़ के खिलाड़ियों ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर सराहनीय प्रदर्शन किया। अंडर-10 आयु वर्ग में हुमेश देशमुख ने कांस्य पदक तथा छाया ने कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं नूपुर नेताम ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इन सभी खिलाड़ियों को मार्शल आर्ट्स कोच आकाश यादव द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं पत्रकार बृजेश पांडेय, ओम टुवानी, अरुण उपाध्याय, राहुल भूतड़ा,शिवसेना नेता एवं सहकार भारती बालोद के खंड प्रमुख विजय पारख, डेली न्यूज़ पत्रकार दीपक भारती यादव, महाकौशल प्रतिनिधि श्रीदेशमुख, ब्रदर्स कॉम्बैट क्लब तथा खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

निजी भूमि पर अन्य लोगों द्वारा बलपूर्वक कब्जा कर किया जा रहा निर्माण

बालोद । रजिस्ट्री जमीन पर अन्य लोगों द्वारा बलपूर्वक कब्जा करने, साथ ही तहसीलदार द्वारा स्टे आर्डर के बाद भी लगातार निर्माण करने सहित जान से मारने, अश्लील गाली गलौज करने व एससी एसटी एक्ट के तहत झूठे मामले में फंसा देने की धमकी देने की शिकायत पीड़ित ने एसपी से की है। पीड़ित ने शिकायत में शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुरोध किया है। पीड़ित के साथ समाज के अनेक लोग भी एसपी कार्यालय पहुंचे थे आवेदन में वेदव्यास देवांगन पिता जीवनलाल देवांगन निवासी वार्ड क्रमांक 11 गंजपारा बालोद ने कहा है कि उनकी माता नैनीबाई देवांगन के नाम पर वार्ड क्रमांक 11 गंजपारा बालोद में मुख्य मार्ग पर भूमि खसरा नंबर 614/70 रकबा 0.02 हेक्टर भूमि स्थित है। यह भूमि पूर्ण रूप से स्वामित्व है जिसकी रजिस्ट्री कागजात भी है। इस भूमि पर पहले से बने खंडहरनुमा मालबा को हटाकर आहाता निर्माण करने हेतु उनके द्वारा नगर पालिका से स्वीकृति प्राप्त करने के बाद निर्माण कार्य किया जा रहा था, तभी अनावेदक गण टंडन लाल कावरे पिता शंकर लाल कावरे एवं ललित कावरे पिता शंकर लाल कावरे द्वारा जबरदस्ती बलपूर्वक घुसकर निर्माण कार्य को तोड़ फोड़ दिया गया। साथ ही अनावेदकों द्वारा अश्लील गाली गलौज कर तथा जान से मारने व एसटी एससी एक्ट में फसाने की धमकी दी गई है।

विश्व हिंदू परिषद की जिला बैठक संपन्न, संगठन विस्तार पर मंथन

राजनांदगांव । विश्व हिंदू परिषद की जिला बैठक का आयोजन संपन्न हुआ। बैठक में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर नए दायित्वों का नियोजन किया गया। बैठक में वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से सेवा, सुरक्षा और संस्कार के कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा संगठन विस्तार के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रहित और समाजहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय है तथा सभी कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

चेक बाउंस मामले में आरोपी दोषी करार

बलौदाबाजार । न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, बलौदाबाजार की अदालत ने चेक बाउंस के एक प्रकरण में आरोपी सीताराम सोनवानी को दोषी ठहराते हुए छह माह के साधारण कारावास तथा पांच लाख रुपये क्षतिपूर्ति की सजा सुनाई है। यह निर्णय 22 जुलाई 2026 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सारिका नंदे की अदालत ने सुनाया। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत परिवाद के अनुसार चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा बलौदाबाजार ने आरोपी को वाहन ऋण प्रदान किया था। ऋण की आंशिक अदायगी के लिए आरोपी ने 28 नवंबर 2017 को 4,75,734 रुपये का चेक जारी किया, लेकिन बैंक में प्रस्तुत करने पर 5 फरवरी 2018 को खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण चेक अनादरित हो गया।

बीईओ को सौंपीं राखियां, देशभक्ति और भाईचारे का दिया संदेश

बलौदाबाजार । रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर शाश्वत स्कूल, बलौदाबाजार के छात्र-छात्राओं ने देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करते हुए अपने हाथों से रंग-बिरंगी राखियां तैयार कीं। विद्यालय के केजी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने इन राखियों को विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को सौंपा, जिन्हें सैनिकों तक भेजने की व्यवस्था की गई। विद्यार्थियों ने तिरंगे के रंगों, मोतियों, फूलों और आकर्षक धागों से राखियां सजाईं। प्रत्येक राखी के साथ आप सुरक्षित तो देश सुरक्षित और जय हिंद जैसे प्रेरणादायी संदेश भी लिखे गए।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि देश के जवान दिन-रात सीमाओं पर रहकर राष्ट्र की सुरक्षा करते हैं। बच्चों की यह पहल उनमें देशभक्ति, कर्तव्यबोध और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करेगी।

बीईओ ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सैनिकों तक इस तरह के स्नेहपूर्ण संदेश पहुंचने से उनका मनोबल और उत्साह बढ़ता है।

कॉमनवेल्थ रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव का जिला हॉकी संघ ने किया भव्य सम्मान

राजनांदगांव (महाकोशल)। ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 की वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत एवं छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव की होनहार बेटी सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव के प्रथम नगर आगमन पर जिला हॉकी संघ, राजनांदगांव द्वारा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, गौरव पथ में महापौर मधुसूदन यादव और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा की मौजूदगी में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष फ़िरोज़ अंसारी के नेतृत्व तथा सचिव शिवनारायण धकेता के मार्गदर्शन में ज्ञानेश्वरी यादव का फूलमाला, बुके, पारंपरिक गमछा एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस

अवसर पर उपाध्यक्ष भूषण साव, कोषाध्यक्ष प्रिंस भाटिया, कार्यकारिणी सदस्य कुमार स्वामी, अंतर्राष्टीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, खेल विभाग के सहायक संचालक ए एक्का, अजय झा, प्रकाश शर्मा ,तीरथ गोस्वामी,आशीष सिन्हा, आशा थामस, कृष्णा यादव एवं मनीष सोनी सहित जिला एवं राज्य हॉकी संघ के पदाधिकारी, सीनियर मॉर्निंग हॉकी ग्रुप, छत्तीसगढ़ जूनियर बालिका हॉकी टीम, खेलो इंडिया सेंटर के खिलाड़ी तथा बड़ी संख्या में हॉकी प्रेमी उपस्थित रहे। इससे पूर्व ज्ञानेश्वरी यादव का प्रथम नगर आगमन स्थानीय पोस्ट ऑफिस चौक में हुआ, जहाँ नागरिकों एवं खेल प्रेमियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद भव्य बाइक रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गौरव पथ स्थित अंतर्राष्टीय हॉकी स्टेडियम पहुँची। स्टेडियम में जिला हॉकी संघ द्वारा विशेष मंच तैयार कर दोपहर 1 बजे सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच ज्ञानेश्वरी यादव का अभिनंदन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव की ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल राजनांदगांव और छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है तथा यह सिद्ध करती है कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से अंतरराष्टीय स्तर पर सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम के अंत में जिला हॉकी संघ ने ज्ञानेश्वरी यादव को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी अंतरराष्टीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे भविष्य में भी

सुकमा के नौनिहालों का भविष्य सुरक्षित : 60 स्कूलों में शुरू हुए विशेष 'अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट' शिविर

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में स्कूली छात्रों के हित में एक बेहद सराहनीय और संवेदनशील कदम उठाया गया है। जिले के दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, छात्रवृत्तियों और डिजिटल पहचान के लाभ निर्बाध रूप से मिलते रहें, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा 60 चुनिंदा स्कूलों में विशेष 'अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट' शिविरों की शुरुआत की गई है। प्रशासन की इस दूरदर्शी पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी छात्र अपनी पहचान के अभाव में शिक्षा या किसी भी सामाजिक लाभ से वंचित न रहे।

इस व्यापक अभियान के तहत प्रशासन सीधे छात्रों के पास पहुँच रहा है। इसके लिए प्रमाणित ऑपरेटरों की टीमें आवंटित स्कूलों का दौरा कर रही हैं और सीधे स्कूल परिसर में ही छात्रों के बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट करने का कार्य कर रही हैं। इस जमीनी दृष्टिकोण से न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि अब ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के माता-पिता या बच्चों को कतारों में लगने या लंबी दूरी तय करके दूर-दराज के नामांकन केंद्रों पर जाने की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि यह अभियान सुकमा जिले के सभी तीनों प्रशासनिक ब्लॉकों सुकमा, छिंदगढ़ और कोंटा में पूरी सक्रियता के साथ चलाया जा रहा है। इन शिविरों में मुख्य रूप से 5 से 7 वर्ष तथा 15 से 17 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, क्योंकि इस उम्र में बच्चों के बायोमेट्रिक रिकॉर्ड (उंगलियों के निशान, आईरिस स्कैन और फोटोग्राफ) को अपडेट करना वैधानिक रूप से अनिवार्य होता है। प्रशासन का लक्ष्य इन तीनों ब्लॉकों के शत-प्रतिशत स्कूली बच्चों को इस प्रक्रिया से जोड़ना है ताकि छात्रवृत्ति और सरकारी योजनाओं का लाभ छात्रों को मिल सके।

प्रशासन के इस जन-कल्याणकारी प्रयास से आने वाले समय में छात्रों को मिलने वाले लाभों का मार्ग पूरी तरह निष्कंटक हो जाएगा। समय पर बायोमेट्रिक डेटा अपडेट होने से छात्रों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, विभिन्न सरकारी छात्रवृत्तियों, उच्च शिक्षा के लिए स्कूलों व कॉलेजों में प्रवेश और अन्य सभी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ बिना किसी तकनीकी बाधा के आसानी से मिल सकेगा। जिला प्रशासन की यह पहल सुकमा के नौनिहालों के भविष्य को डिजिटल रूप से सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

ज्ञानेश्वरी प्रेरणा है राज्य के खिलाड़ियों के लिए

हर क्षेत्र में शुरुआत होती है, कोई खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहला पदक जीतता है और राज्य के लोगों का बरसों का इंतजार खत्म होता है।गर्व महसूस होता है कि हमारे राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाली कोई खिलाड़ी है।छत्तीसगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी खिलाड़ी के पदक जीतने की शुरुआत हो गई है। हमारे राज्य की ज्ञानेश्वरी यादव पहली ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्लास्गो में आयोजित कामनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीता है। राज्य का यह पदक है, एक शुरुआत होती है तो उसके बाद दूसरे खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलती है कि हमारे राज्य की एक खिलाड़ी ऐसा कर सकती है तो मैं भी ऐसा कर सकता हूं,हम भी ऐसा कर सकते हैं और उसके बाद कड़ी मेहनत,लगन,अपने लक्ष्य का हासिल करने का जज्बा पैदा होता और एक के बाद दूसरा,दूसरे के बाद तीसरा खिलाड़ी पदक जीतता है। बड़े खिलाड़ी से प्रेरणा लेकर एक दिन छोटे खिलाड़ी बड़े खिलाड़ी बनते हैं पदक जीतने वाले खिलाड़ी बनते हैं।एक के बाद दो,तीन,चार संख्या बढ़ती जाती है।देश में एक सुनील गावस्कर पैदा होता है तो सचिन पैदा होता है,सचिन के बाद, विराट सामने आता है, विराट के बाद तो खिलाड़ियों की लंबी लाइन तैयार हो गई है।

22 वें कामनवेल्थ गेम्स में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने महिला 53 किलो के वर्ग की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में देश के लिए रजत पदक हासिल किया है। छत्तीसगढ़ के लिए यह पहला अंतर्राष्ट्रीय पदक है। इसलिए यह देश के लिए जितने गर्व की बात है, उससे ज्यादा छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।छत्तीसगढ़ को बरसों से पहले अंतर्राष्ट्रीय पदक का इंतजार था और इस इंतजार को ज्ञानेश्वरी ने खत्म किया है।यह पदक जीतने के साथ ही ज्ञानेश्वरी कामनवेल्थ गेम्स के इतिहास में कोई पदक जीतने वाली,रजत पदक जीतने वाली छत्तीसगढ़ की पहली खिलाड़ी बन गई है।आज तक प्रदेश का कोई भी खिलाड़ी वैश्विक मंच पर पदक तालिका में जगह नहीं बना सका था।जो काम प्रदेश का कोई खिलाड़ी नहीं कर सका था, वह काम ज्ञानेश्वरी ने करके अपना नाम राज्य के खेल इतिहास में दर्ज करा दिया है।

ज्ञानेश्वरी ने 53 किलो वर्ग की प्रतियोगिता में कुल 199 किलो वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने स्नैच मे 88 किलो वजन उठाकर नया गेम्स रिकार्ड कायम किया।वही क्लीन व जर्क में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन बार में 103,107 और 111 वजन उठाया।इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक नाइजीरिया की ओमोलोला डिडीह ने 206 किलो वजन उठाकर जीता।कामनवे्ल्थ गेम्स में देश,प्रदेश का नाम रोशन करने पर पीएम मोदी,गृहमंत्रीअमित शाह,सीएम साय,खेल संगठनों से जुड़े लोगों सहित सभी ने बधाई दी।पदक जीतने पर सीएम साय ने कहा था कि ज्ञानेश्वरी की यह उपलब्धि राज्य के खेलजगत के लिए मील का पत्थर साबित होगी।उनके पिता दीपक यादव ने कहा था कि यह हमारे परिवार के वर्षों के संघर्ष,कड़े त्याग और बेटी के अटूट विश्वास का फल है।

गरीब घर के बच्चों की सफलता वाकई में अद्भुत लोगों का प्रेरणा देने वाली होती है,यह अभाव के बीच अपने सबसे बड़े लक्ष्य को पाने का प्रयास होता है।कई बार पिता जो नहीं कर पाता है और उसकी बेटी वह काम करती है,उसका बेटा वह काम करता है तो पिता को सबसे ज्यादा खुशी होती है। पिता खिलाड़ी हो तो उसे और ज्यादा खुशी होती है।ज्ञानेश्वरी के पिता बाड़ीबिल्डर थे लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह आगे नहीं जा सके,खेल छोड़कर उनको इलेक्ट्रिशियन का काम करना पड़ा।वह खुद अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी न बन सके तो बेटी को बनाने का सपना देखा और बेटी के लिए जो कुछ कर सकते थे,वह सब किया और बेटी ने न सिर्फ उनका बल्कि राज्य का अंतर्राष्ट्रीय पदक का सपना पूरा किया है।साय सरकार ने राज्य के खेल व खिलाड़ियों के लिए बहुत कुछ किया है।बस्तर ओलिंपिक,सरगुजा ओलिंपिक का आयोजन कर खिलाड़ियो का खेल मंच मुहैया कराया है। इससे राज्य के खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिल रहा है,

परिवार में अपनाएं ये पांच सूत्र, जीवन में आएगी निपुणता और खुशहाली

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसका परिवार सुखी, सफल और संस्कारवान बने। इसी सोच के साथ 'निपुण परिवार' की अवधारणा भी तेजी से चर्चा में है। निपुण परिवार का अर्थ केवल आर्थिक रूप से संपन्न होना नहीं, बल्कि ऐसा परिवार है जहां सभी सदस्य संस्कार, स्वास्थ्य, समृद्धि, सामर्थ्य और सीखने की भावना के साथ जीवन जीते हों। यदि इन पांच गुणों को परिवार की दिनचर्या में शामिल कर लिया जाए, तो घर का वातावरण सकारात्मक और प्रेरणादायक बन सकता है।

सबसे पहला सूत्र है संस्कार। परिवार ही वह पहली पाठशाला है जहां बच्चों को अच्छे व्यवहार, अनुशासन, सम्मान और जिम्मेदारी का ज्ञान मिलता है। यदि माता-पिता स्वयं अच्छे संस्कारों का पालन करें, तो बच्चे भी उन्हें सहज रूप से अपनाते हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है स्वास्थ्य। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन किसी भी परिवार की सबसे बड़ी पूंजी हैं। संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम, योग और सकारात्मक सोच परिवार के प्रत्येक सदस्य को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं।

तीसरा आधार है समृद्धि। समृद्धि का अर्थ केवल धन-संपत्ति नहीं, बल्कि संतोष, आपसी सहयोग और संसाधनों का सही उपयोग भी है। जब परिवार के सदस्य मिल-जुलकर योजनाबद्ध तरीके से जीवन जीते हैं, तो आर्थिक स्थिरता के साथ मानसिक संतोष भी प्राप्त होता है।

चौथा सूत्र है सामर्थ्य। जीवन में चुनौतियां हर किसी के सामने आती हैं। जो परिवार कठिन परिस्थितियों का मिलकर सामना करता है, वही वास्तव में मजबूत बनता है। सामर्थ्य का अर्थ है समस्याओं से भागने के बजाय उनका समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना।

पांचवां और सबसे महत्वपूर्ण गुण है निरंतर सीखने की भावना। परिवार में केवल बच्चों को ही नहीं, बल्कि बड़ों को भी नई बातें सीखने और बदलते समय के साथ स्वयं को ढालने के लिए तैयार रहना चाहिए। सीखने की यह आदत पूरे परिवार को प्रगतिशील बनाती है।

परिवार को निपुण बनाने के लिए एक सरल लेकिन प्रभावी अभ्यास भी किया जा सकता है। हर सदस्य अपने बचपन की पांच से दस ऐसी घटनाएं लिखे, जिन्हें वह आज भी याद करता है, विशेष रूप से भाई-बहनों के साथ बिताए गए पल। फिर आज के दृष्टिकोण से उनका मूल्यांकन करें। इससे यह समझ आएगा कि किन परिस्थितियों में हमने समझदारी दिखाई, कहां गलती की और किन अनुभवों से जीवन की सीख मिली। ऐसा आत्मचिंतन आत्मविश्वास बढ़ाता है, संघर्षों का सामना करने की शक्ति देता है और समझौते की परिस्थितियों में भी व्यक्ति को टूटने नहीं देता।

हमें दुनिया को अपनी सभ्यता की बेहतर कहानी सुनानी होगी

मुझे दुनिया की विभिन्न सभ्यताओं से जुड़े महानतम संग्रहालयों को देखने का मौका मिला है। हाल ही में जब मैंने गीजा के पिरामिड, एथेंस के एक्रोपोलिस और भूमध्यसागर के किनारे पर बने बिब्लियोथेका अलेक्जेंड्रिना (पुस्तकालय) को देखा तो वहां के ऐतिहासिक महत्व को देखकर अभिभूत रह गया।

गीजा के ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में विश्वस्तरीय संरक्षण, सुचिंतित डिजाइन और जीवंत कहानियों के जरिए मिस्र की पांच हजार वर्ष पुरानी सभ्यता से जुड़े एक लाख से अधिक पुरावशेष संग्रहित हैं। इनमें तूतनखामुन के मकबरे का खजाना भी है। एक्रोपोलिस में कांच के फर्श के नीचे प्राचीन बसावट को देखा जा सकता है, जो खुदाई में मिली थी। बिब्लियोथेका में ज्ञान को संरक्षित रखने के लिए किया गया निवेश स्पष्ट नजर आता है।

भारत की सभ्यतागत विरासत भी इतनी ही समृद्ध है। हमारे पास सिंधु घाटी के सुनियोजित शहरों से लेकर स्मारकों, पांडुलिपियों, मंदिरों, किलों और पुरावशेषों तक दुनिया की बेहद समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरें हैं। लेकिन जब भी मेरी डेस्क पर पर्यटन या शहरी विकास से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट की कोई फाइल आती तो वह एक ही समस्या में जाकर उलझ जाती थी।

हमारे पास कहानियां तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें कहने वाले पर्याप्त संस्थान नहीं हैं। हमारे सबसे अच्छे पुरावशेष संग्रहालयों में ही कैद हैं। मसलन, कोलकाता के इंडियन म्यूजियम में कला, पुरातत्व और प्राकृतिक इतिहास से जुड़ी 25 लाख वस्तुएं हैं, नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम में दो लाख से अधिक पुरावशेषों का संग्रह है, लेकिन इनका एक छोटा-सा हिस्सा ही प्रदर्शित किया जाता है। इसमें भी समसामयिक डिजाइन, लाइटिंग और इंटरप्रिटेटिव मीडिया का सीमित ही उपयोग है।

दरअसल, हमने उतनी महत्वाकांक्षा के साथ कभी हमारे इन संस्थानों में निवेश किया ही नहीं, जो हमारी महान विरासत को सहेजने, उनकी व्याख्या करने और इसे देश-दुनिया को बताने का काम करते हैं। हमारे म्यूजियम, आर्काइव्स और साइट इंटरप्रिटेशन सेंटर अपार संभावनाओं से भरे हैं, लेकिन उन्हें गंभीर संरक्षण, बेहतर क्यूरेशन, मजबूत डिजाइन और ज्यादा कल्पनाशीलता की जरूरत है।

तभी वे उस सभ्यता के अनुरूप बन पाएंगे, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। नॉर्थ-साउथ ब्लॉक को राष्ट्रीय संग्रहालय में बदलने की योजना इस बात का प्रतीक है कि संस्कृति राष्ट्र की मूल पहचान से जुड़ा मसला है। इसे दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक बनाने की योजना है। इसमें इमर्सिव डिजाइन और डिजिटल माध्यमों से हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता की यात्रा बताई जाएगी।

उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में कंटेंट टीमें आठ थीम आधारित क्षेत्रों में लगभग 30 दीर्घाएं विकसित करेंगी। केंद्रीय संग्रहालयों, एएसआई की साइटों और राज्यों के संग्रहालयों से 80 हजार से एक लाख तक पुरावशेष यहां लाए जाएंगे। इन्हें प्राचीन इतिहास और ज्ञान-परंपराओं से लेकर आधुनिक भारत तक की यात्रा के क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। अब तक सत्ता के केंद्र कहे जाने वाले नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की पहचान अब महज दफ्तरों और औपचारिक आयोजनों से नहीं, बल्कि ऐसे स्थान के तौर पर होगी, जहां राष्ट्र को सुव्यस्थित स्मृतियों के जरिए देखा जा सकता है।

यहां सिंधु घाटी के शहर, ज्ञान-परंपराएं, कोणार्क के सूर्य-रथ, चोलकालीन कांस्य प्रतिमाएं और संविधान से जुड़े दस्तावेज तक प्रदर्शित किए जाएंगे। स्पष्ट मानक तय किए जाएं तो रायसीना हिल की प्रत्येक गैलरी दुनिया के प्रमुख संग्रहालयों की बराबरी कर सकती है।

यदि हम वाराणसी, हम्पी या जयपुर जैसे शहरों में भी ऐसे संग्रहालय विकसित करें, जो संरक्षण, डिजाइन और सेवाओं के मामले में विश्वस्तरीय मानकों पर खरे हों तो भारत खुद को वैश्विक पर्यटन सर्किट में स्थापित कर सकता है।

पर्यटक आज आर्ट हॉलिडे, प्राइवेट म्यूजियम टूर और क्यूरेटेड यात्रा कार्यक्रमों पर काफी पैसा खर्च कर रहे हैं। सांस्कृतिक अनुभव देने वाली यात्राएं लग्जरी ट्रैवल ट्रेंड में अपना अहम स्थान बनाए हुए हैं। ऐसे में हम मौका न चूकें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जरूरत से ज्यादा जांचें और दवाइयां भी अपने आप में एक बीमारी हैं

हाल ही में दो खबरें सामने आईं। पहली यह थी कि भारत के लगभग दस में से नौ वयस्कों में कोलेस्ट्रॉल या अन्य लिपिड का स्तर सामान्य सीमा से ऊपर या नीचे है। दूसरी खबर अमेरिका से आई, जहां ऐसी नई दवाई को मंजूरी मिली है, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 60% तक घटा सकती है। यह महज संयोग हो सकता है, लेकिन यह एक असुविधाजनक प्रश्न भी उठाता है : क्या किसी बीमारी का बोझ हमें तभी याद दिलाया जाता है, जब उसके इलाज के लिए नया बाजार तैयार होता है?

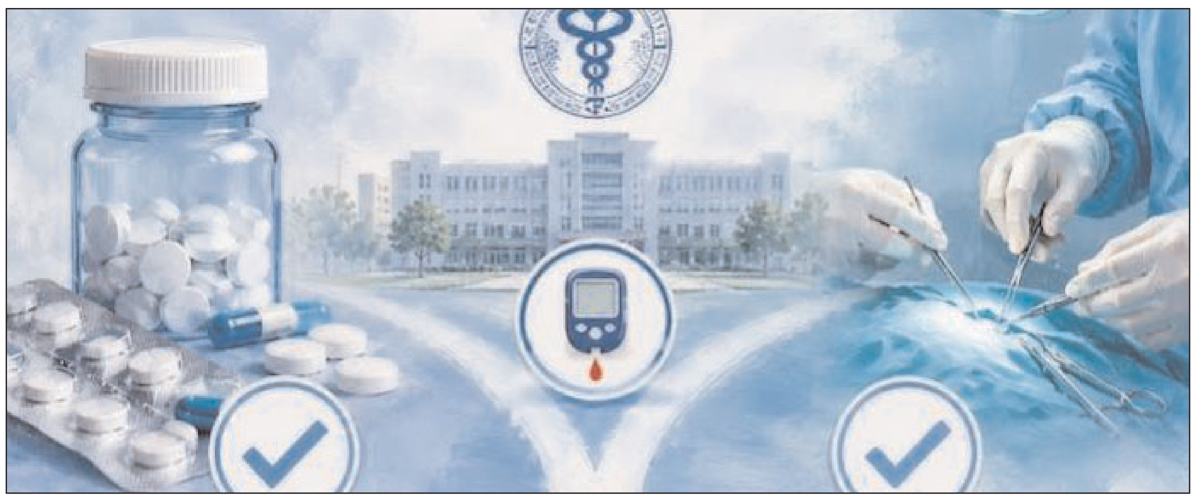

मोटापा घटाने वाली दवाओं का हालिया अनुभव इसका स्पष्ट उदाहरण है। मोटापा वर्षों से बढ़ रहा था। लेकिन नई दवाओं के आते ही मोटापा चिकित्सा और मीडिया की सबसे चर्चित समस्याओं में शामिल हो गया। इससे जागरूकता तो बढ़ी, पर वजन को दवा से ठीक होने वाली बीमारी बना दिया गया। शारीरिक निष्क्रियता, तनाव, प्रोसेस्ड फूड जैसे मूल कारण पीछे छूट गए।

भारत में हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और फैटी लिवर बढ़ रहे हैं। हमारी जीवनशैली में बैठना बढ़ा है, चलना घटा है और भोजन में चीनी, मैदा तथा प्रोसेस्ड फूड बढ़े हैं। पिछले कुछ सालों में लिपिड और कोलेस्ट्रॉल उपचार के लक्ष्य लगातार नीचे आए हैं।

अधिक जोखिम वाले मरीजों के लिए एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 55 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से नीचे रखने की सलाह दी जाती है। इससे पहले यह सीमा 70 थी। नई दवा एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 56 से 59% तक घटा सकती है। लेकिन हर मरीज को इसकी जरूरत नहीं है। यह उनके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, जिन्हें पहले हृदयाघात हो चुका है, जिनका हृदय जोखिम अधिक है या जिन्हें आनुवंशिक रूप से अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल रहता है।

इसी समय आईसीएमआर-इंडिया अध्ययन के परिणाम भी आए। यह अध्ययन भारत के 23,665 वयस्कों पर आधारित था और इसमें पाया गया कि 87.3% लोगों में लिपिड से जुड़ी कम से कम एक असामान्यता थी। यहां यह समझना जरूरी है कि इसका अर्थ यह नहीं कि लगभग 90% भारतीयों का खराब कोलेस्ट्रॉल खतरनाक स्तर पर है या उन्हें दवा शुरू कर देनी चाहिए। इसमें वो लोग भी शामिल हैं, जिनका एचडीएल लेवल कम है। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल माना जाता है लेकिन इसको बढ़ाने की दवा नहीं आती है। यह सिर्फ अच्छी और स्वस्थ दिनचर्या से ही बढ़ सकता है।

समस्या तब शुरू होती है, जब उपचार से हासिल किए जाने वाले लक्ष्य पूरी आबादी के लिए सामान्य मान लिए जाते हैं। जैसे ही इलाज का लक्ष्य बदला जाता है, लाखों लोग अचानक उस श्रेणी में आ जाते हैं, जिन्हें दवा दिए जाने योग्य माना जाता है। जबकि उनके शरीर में रातोंरात कोई नया नुकसान नहीं हुआ होता। इसे मेडिकलाइजेशन कहते हैं। इसका मतलब है कि किसी जोखिम, शारीरिक भिन्नता या जीवनशैली की समस्या को ऐसी बीमारी में बदल दिया जाए, जिसके लिए लगातार जांच और दवा जरूरी मानी जाने लगे। इसका अर्थ यह नहीं कि कोलेस्ट्रॉल की दवाएं बेकार हैं। असली प्रश्न यह है कि दवा किसे और कितने समय तक चाहिए।

एक ओर करोड़ों लोगों को जरूरी उपचार नहीं मिलता, वहीं सम्पन्न वर्ग में जरूरत से अधिक जांच और दवाएं बढ़ रही हैं। थोड़े बढ़े एलडीएल वाला स्वस्थ युवा और हृदयाघात झेल चुका व्यक्ति एक जैसे मरीज नहीं हो सकते। जीवनशैली से पैदा बीमारियों का समाधान गोलियों से नहीं होगा। हमें बेहतर भोजन, सक्रिय जीवन और मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य-सेवाएं चाहिए। समझदार मरीज दवा से इनकार नहीं करता; वह दवा की जरूरत, लाभ और अवधि पर प्रश्न पूछता है और सोच-समझकर निर्णय लेता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

अयोध्या के सिंहासन पर राम का राज्याभिषेक होगा यह समाचार सुनकर मंथरा जब कैकेईजी के पास आई तो लगा कि कैकेईजी स्वस्थ हैं लेकिन थोड़ी देर वार्तालाप के बाद रोग ऐसा पैठा कि – संगात्संजायते कामः – के अनुसार कामना पैठ गई। उसने कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। राज्य अब तो तुम्हारे पुत्र को ही मिलेगा। क्योंकि मैंने ज्योतिषियों से जाकर अच्छी तरह से यह दिखला लिया है। ज्योतिषियों ने मुझे भविष्यवाणी करके बता दिया है कि – भरत भुआल होहिं यह सांची – भरत तो निश्चित रूप से राजा होंगे। इसका अभिप्राय है कि वह किसी ज्योतिषी के पास नहीं गई, पर उसने केवल अपनी कल्पना एवं असत्य के माध्यम से कैकेई में अपने

प्रति विश्वास उत्पन्न कर दिया, तथा श्रीराम के प्रति जो विश्वास था उसे समाप्त कर दिया। और जब ईश्वर पर से विश्वास हट जाए तथा मंथरा के प्रति विश्वास बढ़ जाए तो समझ लेना चाहिए कि बस अब हम सर्वनाश के निकट पहुंच गए हैं। और संगात्संजायते कामः के रूप में मंथरा ने कैकेईजी के मन में राज्य की कामना उत्पन्न कर दी। कामना उत्पन्न करने के पश्चात कह दिया कि अब आप इस भवन में मत बैठिए, अपितु अब तो कामात्क्रोधोह्यभिजायते सीधे कोप भवन में जाकर बैठिए। महाराज दशरथ से कोप-भवन में जाकर मिलिए।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

सोशल बफर्स के तौर पर बॉट्स का इस्तेमाल 'सेल्फ मिसट्रस्ट' की महामारी

अजय रिसर्चर के तौर पर अपने काम में एआई का इस्तेमाल करता है। लेकिन लैब से बाहर भी एआई टूल उसका कन्वर्सेशन-कोच बन गया है। वह ईवनिंग पार्टियों में बातचीत की शुरुआती लाइनें और मेहमानों व दोस्तों को विश करने के आइडिया लिखने में भी उसकी मदद लेता है।

जब वह पूछता है कि यदि कोई ऐसा मुश्किल सवाल पूछ ले कि 'शादी कब कर रहे हो?' तब भी सामने वाले को जवाब देने में एआई उसकी मदद करता है। मान लीजिए बातचीत किसी ऐसी किताब या आर्टिकल पर पहुंच गई, जिसके बारे में अजय को जानकारी नहीं है तो वह तुरंत एआई से समरी मांग लेता है। जब तक एआई समरी बनाता है, उन पलों में अजय एक लाइन कहता रहता है कि 'मैं कभी-कभी पढ़ता हूं।' ऐसा नहीं कि अजय खुद नहीं सोच सकता, लेकिन एआई चीजों को थोड़ा आसान बना देता है।

20 वर्षीय अजय युवाओं की तेजी से बढ़ती उस जमात का हिस्सा है, जो बेहद इंसानी कामों को भी एआई से करवा रहे हैं। छोटी-बड़ी सोशल एंग्जायटी से जूझ रहे कई युवा अजय की तरह ही आमने-सामने की मुलाकात से पहले एआई की मदद लेते हैं।

सामान्य व्हाट्सएप चैट में भी अब बॉट-जनरेटेड मैसेज दिखने लगे हैं, लेकिन इस उम्र के रोमांटिक पार्टनर्स के बीच इनकी संख्या काफी है। अचानक उनके टेक्स्ट सटीक ग्रामर वाले हो जाते हैं। जबकि सामने वाला जानता है कि यह वही व्यक्ति है, जो साधारण लाइनें भी पांच गलतियों के बगैर नहीं लिख पाता था।

कई रिश्ते तो मजबूत बनने से पहले ही टूटने लगे हैं। एक पार्टनर चाहता है कि बातचीत थोड़ा विस्तार लिए हो, क्योंकि अपनापन उसी इनफॉर्मेलिटी से आता है। यह परफेक्शन इसलिए आती है, क्योंकि चैटबॉट्स इंसानी भाषा के पैटर्न को जोड़कर वाक्य बनाते हैं।

मैं एक ऐसी लड़की को जानता हूं, जिसने अपनी रिलेशनशिप इसलिए खत्म कर दी, क्योंकि उसे लगा कि जिस लड़के को वह डेट कर रही थी, वह इतना आलसी और अनरोमांटिक है कि उसने उनकी बातचीत को भी एआई को सौंप दिया। ब्लॉक करने से पहले उसने अपने आखिरी मैसेज में कहा कि 'अजीब है कि तुम्हारे प्यार के शब्द भी अपने नहीं, एआई जनरेटेड हैं।'

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एशली गोल्डन कहती हैं कि 'यह दोनों पक्षों के लिए नुकसानदायक है। चैटबॉट्स का उद्देश्य प्रोडक्टिविटी बढ़ाना था, रिलेशनशिप बनाना नहीं।'

अगर आप ऐसे युवा हैं, जो अपना हर टेक्स्ट एआई से जंचवा रहे हैं तो आप खुद को यही सिखा रहे हैं कि आपकी अपनी समझ भरोसे लायक नहीं।

यह बात खासतौर पर उन लोगों पर ज्यादा लागू होती है, जिन्हें सोशल एंग्जायटी रहती है। गोल्डन मानती हैं कि एआई लोगों को सोशल मिसस्टेप्स की पीड़ा से बचा सकता है, लेकिन यह राहत अस्थायी होती है। धीरे-धीरे यही टूल बैसाखी बन जाता है और लोग खुद के फैसलों पर ही कम भरोसा करने लगते हैं।

आज कई एग्जीक्यूटिव्स जब मैनेजमेंट के नोटिस का गुस्से भरा रिप्लाई लिखते हैं तो उसे एआई से सुधारने की कोशिश करते हैं। पहले मन के भाव लिखना और फिर उन्हें एआई के जरिए भाषा में ढालना रिसीवर को थोड़ा उलझन में डाल देता है।

भाषा भले बेहतर हो जाती हो, लेकिन पत्र में भावनाएं कोई स्पष्ट रुख नहीं दर्शातीं। कई बार दोस्तों से आमने-सामने की बातचीत के लिए एआई का सहारा लेना युवाओं पर उल्टा भी पड़ चुका है और बाद में गोल्डन ने उनकी काउंसलिंग की।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि किसी मुश्किल बातचीत की तैयारी के लिए एआई का इस्तेमाल सही है, लेकिन पूरी बातचीत उसी के भरोसे नहीं होनी चाहिए। एआई यह बता सकता है कि क्या कहना है, लेकिन कैसे कहना है यह हर व्यक्ति को खुद सीखना होगा। विशेषज्ञों का सुझाव है कि बड़े इवेंट्स या क्लाइंट्स के जवाब तैयार करने तक तो एआई का इस्तेमाल ठीक है, लेकिन इमोशनल बातचीत की स्क्रिप्ट लिखवाना बैकफायर कर सकता है। क्योंकि वह आपके कैरेक्टर से मेल नहीं खाता।

फंडा यह है कि अगर आप अपनी जिंदगी की हर चीज एआई से पॉलिश कराएंगे तो धीरे-धीरे अपनी ही आवाज पर भरोसा खो सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में मदनपुर समेत 10 टोल प्लाजा की दरें बढ़ीं: कार से लेकर बस-ट्रक को चुकाने पड़ रहे हैं 10 रुपए तक ज्यादा

रायपुर। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल शुल्क में बढ़ोतरी लागू कर दी गई है। नई दरों के तहत मुड़ियापारा, बैजी, लिम्हा, मदनपुर, चोटिया, पचिरा, महाराजपुर, लोदाम, पाराघाट और केसला टोल प्लाजा पर अलग-अलग वाहनों के लिए 5 से 10 रुपए तक शुल्क बढ़ाया गया है। 1 अगस्त से नई दर लागू हो गई हैं।

हालांकि कुछ टोल प्लाजा पर कार या एलएमवी श्रेणी के शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरों का सीधा असर रोजाना यात्रा करने वाले निजी वाहन चालक, टैक्सी संचालक, बस ऑपरेटर्स और ट्रांसपोटर्स पर पड़ेगा। परिवहन कारोबारियों का कहना है कि टोल शुल्क बढ़ने से माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी। वहीं नियमित रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवागमन करने वाले लोगों का मासिक यात्रा खर्च भी बढ़ जाएगा।

स्क्रू के भरोसे टिका पुल... रायपुर-बिलासपुर एनएच पर हिर्री फ्लाई ओवर के पैनल उखड़े

रायपुर- बिलासपुर नेशनल हाइवे में हिर्री के पास बने फ्लाई ओवर के पैनल उखड़ने लगे हैं। इन्हें स्क्रू से कसा जा रहा है। इस रोड में अब तक सड़क खराब होने की ढेरों शिकायतें मिल चुकी हैं। इन पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट संज्ञान लेकर सुनवाई भी कर चुका है। अब पुलों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

बढ़े टोल का असर लोगों, कारोबार तक टोल शुल्क में हुई बढ़ोतरी का सबसे अधिक असर रोजाना राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले वाहन चालकों पर पड़ेगा। निजी वाहन चालकों का मासिक यात्रा खर्च बढ़ेगा, वहीं टैक्सी, बस और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों की परिचालन लागत में भी इजाफा होगा।

माल ढुलाई महंगी होने से इसका असर उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। हालांकि अतिरिक्त राजस्व से राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव, सड़क सुरक्षा और अन्य सुविधाओं में सुधार की उम्मीद भी जताई जा रही है।

क्यों बढ़ाई जाती हैं टोल दरें: राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल शुल्क का समय-समय पर पुनरीक्षण किया जाता है। इसमें महंगाई और परिचालन लागत जैसे कारकों को आधार बनाया जाता है।

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

बारिश आते ही बाजार में छा जाता है फूटू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सावन की बारिश शुरू होते ही जंगलों में प्राकृतिक रूप से उगने वाला जंगली फूटू (मशरूम) बाजारों में पहुंच गया है। स्वाद और पोषण से भरपूर यह मौसमी वन उपज इन दिनों रायपुर सहित कई शहरों में करीब 1200 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है। सीमित समय के लिए उपलब्ध होने के कारण इसकी मांग हर साल सावन में तेजी से बढ़ जाती है। ग्रामीण इलाकों में इसे पारंपरिक व्यंजन माना जाता है, जबकि शहरों में लोग इसके खास स्वाद और पौष्टिक गुणों के कारण महंगी कीमत चुकाकर भी इसे खरीद रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में पहली बार होगी हॉकी लीग

खेलों को बढ़ावा देने 157 करोड़ की नई योजनाएं, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण व खेल अधोसंरचना पर बड़ा निवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार खेल अधोसंरचना को मजबूत करने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए बड़ा निवेश कर रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए और छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के लिए 57 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राज्य में पहली बार हॉकी लीग के आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गई है। साथ ही खेल अकादमियों में खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिलाने के लिए 14 प्रशिक्षकों को पटियाला भेजा गया है।

खेल विभाग का बजट 4 करोड़ से बढ़कर 304 करोड़ पहुंचा

अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ बनने के समय खेल एवं युवा कल्याण विभाग का बजट सिर्फ 4 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 304 करोड़ रुपए हो गया है। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं को खेल मैदान तक लाना है।

6 नए जिलों में खेल अधिकारी, 79 पदों पर भर्ती जारी

खेल गतिविधियों को मजबूत करने के लिए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सक्ती में खेल अधिकारी के पद सृजित किए गए हैं। विभाग में 44 प्रशिक्षकों, 4 जिला खेल अधिकारियों, 23 सहायक ग्रेड-3 और 8 वार्डनों की भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है।

बस्तर के बाद अब सरगुजा ओलंपिक

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मंच देने के लिए पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष से सरगुजा ओलंपिक भी शुरू किया गया है। वहीं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिली है।

बजट की बड़ी बातें

मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए।

छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के लिए 57 करोड़ रुपए

राज्य में हॉकी लीग आयोजित करने की तैयारी।

खेल अकादमियों के 14 प्रशिक्षकों को पटियाला में प्रशिक्षण।

6 नए जिलों में खेल अधिकारी के पद सृजित।

विभाग में 79 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी।

खेल विभाग का बजट बढ़कर 304 करोड़ रुपए पहुंचा।

आत्मसमर्पित 95 नक्सलियों को 1.40 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि

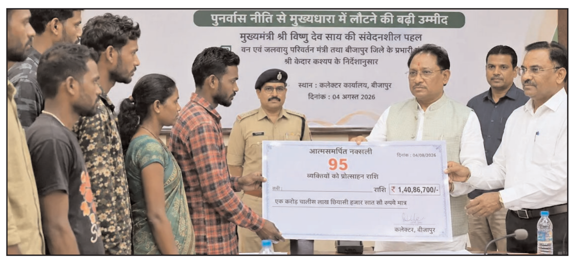

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की नई नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 का असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। इसी कड़ी में बीजापुर जिले के 95 आत्मसमर्पित नक्सलियों को 1 करोड़ 40 लाख 86 हजार 700 रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने, सम्मानजनक जीवन की शुरुआत करने और स्थायी आजीविका उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दी जा रही है। सरकार का मानना है कि हथियार छोड़कर शांति का रास्ता अपनाने वाले लोगों को आर्थिक और सामाजिक सहयोग देकर न केवल उनका पुनर्वास किया जा सकता है, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी शांति और विकास का वातावरण भी तैयार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुरुआत से ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ-साथ विकास और पुनर्वास पर विशेष जोर दिया है। सरकार का उद्देश्य केवल नक्सलवाद पर नियंत्रण करना नहीं, बल्कि उन लोगों को भी नई जिंदगी का अवसर देना है, जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री का मानना है कि विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। इसी सोच के अनुरूप पुनर्वास नीति को अधिक प्रभावी बनाया गया है।

राज्य सरकार की पुनर्वास नीति का मुख्य उद्देश्य आत्मसमर्पित नक्सलियों को आर्थिक सहायता, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़कर सामान्य नागरिक के रूप में जीवन जीने का अवसर मिलता है।

रायपुर नगर निगम में प्रशासनिक फेरबदल: आयुक्त संबित मिश्रा ने कई अधिकारियों को सौंपा अतिरिक्त प्रभार

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम में प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाने के उद्देश्य से आयुक्त संबित मिश्रा ने अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपने के आदेश जारी किए हैं। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। जारी आदेश के तहत कई उपायुक्तों को उनके मौजूदा दायित्वों के साथ अन्य विभागों की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। निगम प्रशासन का कहना है कि इस निर्णय से विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, कार्यों के निष्पादन में तेजी आएगी और आम नागरिकों को सेवाएं अधिक प्रभावी

ढंग से उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

जारी आदेश के अनुसार उपायुक्त जागृति साहू अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग (जाति प्रमाण पत्र) के उपायुक्त का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगी। अब वे इस विभाग से जुड़े प्रशासनिक कार्यों की भी जिम्मेदारी निभाएंगी।

रायपुर में पूर्व सैनिकों के लिए लगा विशेष सहायता शिविर: 42 पूर्व सैनिकों की सुनी गई समस्याएं

रायपुर। रायपुर में मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के अभिलेख कार्यालय ने 'मिशन निरंतर मिलाप' के तहत पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पेंशन और SPARSH पोर्टल से जुड़ी शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार शर्मा (सेवानिवृत्त) ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में करीब 42 पूर्व सैनिक, वीर नारियां और उनके आश्रित शामिल हुए। टीम ने उनकी समस्याएं सुनीं और पेंशन से जुड़े मामलों में जरूरी मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध कराई। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को उनके घर के नजदीक ही पेंशन संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराना है।

'मिशन निरंतर मिलाप' के चौथे चरण की शुरुआत 17 जून 2026 को की गई थी। इसके तहत मध्य और पूर्वी भारत के राज्यों में ऐसे शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि पूर्व सैनिकों को रिकॉर्ड कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान हो सके।

अधिकारियों के मुताबिक, यह अभियान अगले एक साल तक देशभर में जारी रहेगा। इसके जरिए अधिक से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों तक पहुंचकर पेंशन, स्क्क्रस॥ और अन्य सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

रायपुर में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान, 350 से ज्यादा युवाओं ने लिया हिस्सा

रायपुर। माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में माय भारत रायपुर द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत दुर्गा कॉलेज, रायपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 350 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति से होने वाली मानसिक, शारीरिक और सामाजिक हानि को देखते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए युवाओं को जागरूक और सशक्त बनाना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

नशा मुक्त समाज के निर्माण का दिया संदेश

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने तथा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाने के लिए प्रेरित किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में युवाओं की प्रतिभा और रचनात्मकता को मंच प्रदान करने के लिए भाषण प्रतियोगिता, कविता वाचन, रील मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, पेंटिंग, नृत्य, गायन और नुक्कड़ नाटक सहित आठ विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में युवाओं ने नशा मुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच और विकसित भारत के संकल्प को अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रभावी ढंग से सामने रखा।

आत्मानंद स्कूलों के 8 हजार शिक्षक-कर्मचारी धरने पर बैठे: नियमितीकरण समेत 5 मांगों को लेकर प्रदर्शन, बोले- सम्मान और सुरक्षा चाहिए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में काम करने वाले संविदा शिक्षक और कर्मचारियों ने मंगलवार को रायपुर के तूता धरना स्थल पर दो दिवसीय सांकेतिक धरना-प्रदर्शन की शुरुआत की।

संघ का दावा है कि प्रदेशभर से करीब 8 हजार शिक्षक और कर्मचारी इसमें शामिल हुए। छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक और कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में शिक्षकों ने सरकार के सामने अपनी 5 प्रमुख मांगें रखीं।

पहली: संविदा शिक्षकों और कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाए।

दूसरी: जिम्मेदारियों के अनुसार उचित वेतनमान दिया जाए।

तीसरी: हर साल वार्षिक वेतन वृद्धि का प्रावधान किया जाए।

चौथी: स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, अवकाश और सेवा सुरक्षा जैसी सुविधाएं दी जाएं।

पांचवीं: सेवा शर्तों में सुधार कर सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण बनाया जाए।

प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव ने

कहा कि, यह आंदोलन किसी सरकार के विरोध में नहीं, बल्कि न्याय और सम्मान की मांग के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आत्मानंद स्कूलों में वर्षों से काम कर रहे हजारों शिक्षक आज भी कम वेतन, असुरक्षित नौकरी और भविष्य की अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। सरकार को उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

'आत्मानंद स्कूलों की सफलता में शिक्षकों की बड़ी भूमिका'

संघ के संरक्षक कमल वर्मा ने कहा कि, आत्मानंद विद्यालयों को प्रदेश में पहचान दिलाने में संविदा शिक्षकों और कर्मचारियों का बड़ा योगदान रहा है। ऐसे में उनके भविष्य को अनिश्चित नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से जल्द सकारात्मक फैसला लेने की मांग की।

संघ के महासचिव हरिओम शर्मा ने कहा कि, संगठन हमेशा बातचीत और लोकतांत्रिक तरीके में विश्वास रखता है। लेकिन अब मांगों पर फैसला करने में ज्यादा देरी स्वीकार नहीं होगी।

धरना-प्रदर्शन को कई शिक्षक, कर्मचारी और सामाजिक संगठनों का भी समर्थन मिला। वक्ताओं ने कहा कि यह सिर्फ आत्मानंद स्कूलों के कर्मचारियों का मामला नहीं, बल्कि मेहनत करने वाले कर्मचारियों के सम्मान और समान अवसर का मुद्दा है।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए नई ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास लेकर आएगा। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत और समर्पण की सराहना होगी, जिससे वरिष्ठ अधिकारी भी आपके कार्य से प्रभावित रहेंगे। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे और समय पर पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। यदि किसी नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारी की शुरुआत करना चाहते हैं।

वृषभ। आज आपको अपनी वाणी और क्रोध पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने से बचें, क्योंकि इससे रिश्तों में अनावश्यक तनाव पैदा हो सकता है। आर्थिक मामलों में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए निवेश या लेन-देन सोच-समझकर करें। कार्यक्षेत्र में धैर्य और समझदारी से लिया गया निर्णय भविष्य में लाभ देगा।

मिथुन। करियर के दृष्टिकोण से आज का दिन अत्यंत शुभ रहेगा। आपकी मेहनत और प्रतिभा का पूरा सम्मान मिलेगा तथा वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे। यदि नौकरी बदलने या नई जिम्मेदारी की तलाश में हैं तो सकारात्मक समाचार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन शौक, मनोरंजन और अनावश्यक खरीदारी पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें।

कर्क। आज भावनाओं में बहकर कोई भी बड़ा निर्णय लेने से बचें। परिवार और रिश्तों से जुड़े मामलों में धैर्य और समझदारी का परिचय देना आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत और ईमानदारी से सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। आर्थिक मामलों में अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें और बजट के अनुसार ही खर्च करें। परिवार के सदस्यों के साथ सामंजस्य बनाए रखने से घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास पहले से अधिक मजबूत रहेगा और इसका सकारात्मक प्रभाव आपके कार्यों में दिखाई देगा। लंबे समय से रुके हुए कार्यों को गति मिलेगी तथा वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। करियर में उन्नति के नए अवसर मिल सकते हैं और आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी तथा आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा ।

कन्या। आज कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत बनी रहेगी और आपकी कार्यशैली से अधिकारी एवं सहकर्मी प्रभावित होंगे। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और किसी भी चुनौती का सामना आत्मविश्वास के साथ करें। सहकर्मियों के साथ अनावश्यक विवादों से दूर रहें, क्योंकि सहयोग की भावना ही सफलता दिलाएगी। आर्थिक मामलों में स्थिति संतुलित रहेगी तथा सोच-समझकर किया गया निवेश भविष्य में लाभ दे सकता है।

तुला। आज का दिन आपके लिए नई संभावनाओं और सकारात्मक बदलावों का संकेत लेकर आया है। लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आएगी और आपकी मेहनत रंग लाएगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी तथा परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी और आय बढ़ाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक। आज का दिन आपके लिए उपलब्धियों और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और समर्पण का सकारात्मक परिणाम मिलेगा तथा उच्च अधिकारियों से प्रशंसा प्राप्त हो सकती है। यदि किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसमें अच्छी प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिया गया निर्णय भविष्य में लाभ देगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद बना रहेगा।

धनु। आज का दिन आपके लिए उत्साह और नई उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप अपनी बुद्धिमानी और आत्मविश्वास से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत होगी तथा रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा,

मकर। आज का दिन आपके लिए अनुशासन और मेहनत का फल देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। लंबे समय से लंबित कार्य पूरे होने की संभावना है और नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी तथा आय के नए स्रोत बनने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अधिक काम के कारण थकान महसूस हो सकती है, इसलिए पर्याप्त आराम करें।

कुंभ। आज का दिन आपके लिए रचनात्मकता और नई संभावनाओं से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और नए विचारों की सराहना होगी, जिससे करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। आर्थिक मामलों में स्थिति संतुलित रहेगी और आय में वृद्धि के संकेत हैं। परिवार के सदस्यों के साथ संबंध मधुर रहेंगे तथा मित्रों का सहयोग मिलेगा। यदि किसी नए कार्य की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक तनाव से बचने के लिए योग और ध्यान लाभदायक रहेगा।

मीन। आज का दिन आपके लिए शुभ और लाभदायक साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है और आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा। कारोबार से जुड़े लोगों को नए ग्राहकों और बेहतर लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा रुका हुआ धन मिलने के संकेत हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार पर ध्यान देना आवश्यक होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

हेमंत सोरेन और रूपी सोरेन ने प्रतिमा का किया अनावरणः

गुरुजी की पुण्यतिथि पर सीएम ने नेमरा से दी 105 करोड़ की योजनाओं की सौगात

रांची/रामगढ़। गोला प्रखंड के नेमरा गांव स्थित लुकैयाटांड़ में मंगलवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि मनाई गई। सोना सोबरन प्लस-2 उच्च विद्यालय परिसर में स्थापित गुरुजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण उनकी पत्नी रुपी सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया। दोनों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायक कल्पना सोरेन, परिवार के अन्य सदस्यों ने भी गुरुजी को नमन किया। इसके बाद आयोजित विकास मेला-सह-पारितोषिक वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने क्षेत्र को 105.2 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की सौगात दी और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का दिन उनके परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड, देश के आदिवासी, दलित, शोषित और पिछड़े समाज के लिए बेहद भावुक है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष आज ही के दिन गुरुजी ने अंतिम सांस ली थी।

समाज की सबसे बड़ी ताकत एकजुटताः हेमंत

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके दादा अमर शहीद सोबरन मांझी ने शिक्षक के रूप में समाज को शिक्षित करने का काम किया, लेकिन असामाजिक तत्वों ने उनकी निर्मम हत्या कर दी। आज भी ऐसे तत्व नए रूप में समाज में मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि चांद तक पहुंचने वाले इस दौर में भी गांवों और शहरों में ऐसी ताकतें लोगों को गुमराह कर रही हैं। इसका स्थायी समाधान आपसी एकजुटता और भाईचारा है। जब तक समाज एक-दूसरे का सम्मान नहीं करेगा, छोटी-छोटी बातों पर बंटता रहेगा। इसलिए नई पीढ़ी को सही दिशा देना और उसे भटकाव से दूर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

गुरुजी ने झारखंड को अलग पहचान दिलाई हेमंत ने कहा कि गुरुजी ने आंदोलन से न केवल अलग झारखंड के सपने को साकार किया, बल्कि राज्य को एक विशिष्ट पहचान भी दिलाई। वे राजनीति की सीमाओं से कहीं आगे बढ़कर जननायक बन चुके थे। गुरुजी और अन्य वीर सपूतों ने अपने खून-पसीने से यह राज्य बनाया है।

सीएम बोले- पहले लुकैयाटांड़ में अमर शहीद सोबरन मांझी की स्मृति में कार्यक्रम होता था, अब गुरुजी की स्मृति में भी हर साल लोग जुटेंगे। पहली पुण्यतिथि पर प्रतिमा का अनावरण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महान व्यक्तित्वों के संघर्ष और विचारों को अपने दिल में बसाने का संकल्प है। झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, निर्मल महतो, विनोद बिहारी महतो जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया। इतिहास को याद रखकर ही भविष्य की चुनौतियों का समाधान निकलेगा।

हाईकोर्ट ने नगर निगम के फैसले पर लगाई रोकः अपर बाजार के छह दुकानदारों को अंतरिम राहत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को अपर बाजार में व्यापारियों का ट्रेड लाइसेंस रद्द करने के निगम के आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता व्यापारियों को बड़ी राहत प्रदान की। अदालत ने रांची नगर निगम द्वारा ट्रेड लाइसेंस रद्द कर व्यापारियों के प्रतिष्ठान सील करने की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी।

अदालत ने स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ता व्यापारी प्रमोद कुमार अग्रवाल व अन्य के खिलाफ कोई दंडात्मक या जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी। अदालत ने दुकानों को सील करने के आदेश पर निगम से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। अदालत से इस फैसले से व्यापारियों का दुकान सील होने से बच गया।

इससे पहले सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरीय अधिवक्ता देवेश अजमानी ने अदालत को बताया कि नगर निगम ने एक अगस्त को नोटिस जारी कर कहा कि उनके प्रतिष्ठान का नक्शा पास नहीं होने और पर्याप्त पार्किंग की जगह नहीं होने से भीड़ ज्यादा होती है, इससे आम लोगों को परेशानी होती है।

नोटिस में व्यापारियों का ट्रेड लाइसेंस रद्द करते हुए तीन दिनों के अंदर प्रतिष्ठानों को सील करने की चेतावनी भी दी गई है। ट्रेड लाइसेंस रद्द होने से वे कानूनी रूप से कारोबार नहीं कर सकते। ऐसे में उनकी आजीविका पर सीधा संकट खड़ा हो गया है। अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद याचिकाकर्ताओं के खिलाफ अगले आदेश तक किसी भी प्रकार की जबरन कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है।

नगर निगम ने शहर में 600 से अधिक व्यापारियों का ट्रेड लाइसेंस रद्द कर दिया है। हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा और बरियातू हाउसिंग कॉलोनी में आवासीय प्लॉट पर व्यवसायिक गतिविधियां चलाने वाले व्यापारियों का ट्रेड लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। जिनका ट्रेड लाइसेंस रद्द किया गया, वे अब अवैध रूप से व्यापार कर रहे हैं।

ऐसे में निगम कई दुकानदारों से जुर्माना वसूल रहा है। हालांकि, अब व्यापारी निगम से फैसले के विरोध में आ गए हैं। हरमू कॉलोनी के व्यापारी सुमित झा ने बताया कि 10 वर्ष पहले निगम ने ही ट्रेड लाइसेंस जारी किया था, अब व्यापार को अवैध बताकर लाइसेंस रद्द कर दिया। ऐसे में सबसे पहले निगम के पदाधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

जेपीएससी भर्ती परीक्षा में धांधलीःछापेमारी में परीक्षा एजेंसी टीडीपीएल और कोचिंग माफिया के गठजोड़ का पर्दाफाश

रांची। सोमवार को पांच जिलों में 18 ठिकानों पर छापेमारी में छह करोड़ के चेक, जमीन के दस्तावेज और ओएमआर शीट की कॉपी मिली है। इस खुलासे ने पूरे सिस्टम को हिला दिया है। जांच में साफ हो गया है कि इस धंधे में परीक्षा एजेंसी, कोचिंग संस्थान और दलालों का एक संगठित नेटवर्क काम कर रहा है।

छापेमारी में सीआईडी को हजारीबाग के पौता गांव के दो भाइयों लालू यादव और प्रदीप यादव के ठिकानों से बड़ी संख्या में हस्ताक्षर किए हुए चेक मिले। अभ्यर्थियों से लिए गए ये चेक छह करोड़ रुपए के हैं। इनके घर से उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा के कई अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड भी मिले हैं। प्रदीप के रिश्तेदार ने हाल ही में आयोजित जेपीएससी सिविल सेवा पीटी उत्तीर्ण की थी। उधर, पलामू के नौडीहा स्थित संतोष कुमार सिंह के आवास से अभ्यर्थियों के ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी के साथ जमीन के कई दस्तावेज भी मिले हैं। सीआईडी को आशंका है कि जो अभ्यर्थी नकद पैसे नहीं दे पाते थे, उनकी जमीन के कागजात गिरवी रख लिए जाते थे। संतोष सिंह पहले पारा शिक्षक था, जिसने सरकारी शिक्षक की परीक्षा पास की थी। इसके अलावा अन्य जगहों से ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी, मार्कशीट, लैपटॉप, मोबाइल, पासबुक आदि बरामद हुए हैं।

एडवांस में लेते थे पोस्ट डेटेड चेक

सीआईडी की जांच में पता चला है कि इस सिंडिकेट की जड़ें कोचिंग संस्थानों तक फैली हुई थी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों के कुछ संचालक और शिक्षक इस खेल से जुड़े हुए थे। वे उन अभ्यर्थियों को चिह्नित करते थे, जिनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी होती थी।

देवघर-गुवाहाटी सीधी हवाई सेवा शुरूःएयरपोर्ट पहुंची पहली उड़ान का वाटर सैल्यूट के साथ हुआ स्वागत

देवघर। देवघर और गुवाहाटी के बीच मंगलवार से सीधी हवाई सेवा शुरू हो गई है। इंडिगो एयरलाइंस ने यह सेवा शुरू की है, जो फिलहाल सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को संचालित होगी। यह सेवा झारखंड और पूर्वोत्तर भारत के बीच हवाई संपर्क को मजबूत करेगी।

उड़ान कार्यक्रम के अनुसार, गुवाहाटी से विमान सुबह 9:25 बजे प्रस्थान कर 11:20 बजे देवघर एयरपोर्ट पहुंचेगा। वापसी में, यह देवघर से 11:50 बजे उड़ान भरेगा और दोपहर 1:35 बजे गुवाहाटी पहुंचेगा। लगभग एक हजार किलोमीटर की यह दूरी अब महज दो घंटे में तय की जा सकेगी।

इंडिगो ने इस सेवा के लिए देवघर से गुवाहाटी का शुरुआती किराया 3649 रुपये निर्धारित किया है। हालांकि, हवाई टिकटों का किराया मांग और उपलब्धता के आधार पर परिवर्तित होता रहेगा।

इस सीधी उड़ान से पूर्वोत्तर राज्यों के श्रद्धालुओं और यात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी। मंगलवार को गुवाहाटी से देवघर एयरपोर्ट पहुंची पहली उड़ान का पारंपरिक वाटर सैल्यूट के साथ स्वागत किया गया। एयरपोर्ट परिसर में इस अवसर पर उत्साह का माहौल देखा गया। इस अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर जौय बनर्जी ने कहा कि यह सेवा देवघर आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और बाबा नगरी से जुड़ने वाले यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है।

उत्पादन निगम की टीम प्लांट जाकर करेगी निरीक्षणः सिकिदिरी हाइडल पावर प्लांट का होगा आधुनिकीकरण

रांची। झारखंड की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार ने रांची के ओरमांझी स्थित सिकिदिरी स्वर्णरेखा जलविद्युत परियोजना के आधुनिकीकरण की तैयारी शुरू कर दी है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री सह विभागीय मंत्री हेमंत सोरेन की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश के बाद अब इसको लेकर कार्रवाई तेज हो गयी है।

जल्द ही झारखंड उर्जा उत्पादन निगम की एक टीम प्लांट जाकर हर पहलू की जांच करेगी। इसके बाद प्लांट के आधुनिकीकरण एवं प्लांट की क्षमता बढ़ाने जाने को लेकर एक प्रस्ताव तैयार करके उर्जा विभाग को सौंपा जाएगा।

बतातें चलें कि सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्लांट में लगी पुरानी और नई मशीनों की कार्यक्षमता का तुलनात्मक अध्ययन कराया जाए तथा आधुनिक तकनीक के जरिए कम पानी में अधिक बिजली उत्पादन की संभावनाओं पर विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि राज्य की बढ़ती बिजली जरूरतों को देखते हुए केवल वर्तमान उत्पादन बनाए रखना पर्याप्त नहीं होगा। नई तकनीकों और बेहतर संसाधन प्रबंधन के माध्यम से उत्पादन लागत कम करने तथा बिजली उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे, जिससे झारखंड ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भर बन सके।

करीब चार दशक पहले स्थापित सिकिदिरी हाइडल पावर प्लांट झारखंड का एकमात्र बड़ा सरकारी जलविद्युत संयंत्र है। इसकी कुल स्थापित क्षमता 130 मेगावाट है। यहां 65-65 मेगावाट की दो यूनिट स्थापित हैं, जो गेतलसूद (रुक्का) डैम से छोड़े गए पानी के दबाव से बिजली पैदा करती हैं। हालांकि, मशीनें पुरानी होने और उत्पादन का पूरी तरह जल उपलब्धता पर निर्भर रहने के कारण कई बार क्षमता के अनुरूप उत्पादन नहीं हो पाता।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

1				8				9
	5		6		1		2	
			5		3			
	9	6	1		4	8	3	
3				6				5
	1	5	9		8	4	6	
			7		5			
	8		3		9		7	
5				1				3

पिछले अंक का उत्तर

2	3	5	9	8	6	7	4	1
6	8	7	4	2	1	9	5	3
9	1	4	3	5	7	2	8	6
4	7	2	8	3	5	6	1	9
3	6	8	2	1	9	5	7	4
5	9	1	7	6	4	8	3	2
1	4	6	5	7	2	3	9	8
8	5	9	6	4	3	1	2	7
7	2	3	1	9	8	4	6	5

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

रांची में दिल्ली जैसा छात्रों का आंदोलनः10 दिनों से धरना

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में **JPSC** और **JSSC** पेपर लीक को लेकर पिछले 10 दिनों से छात्रों का प्रदर्शन जारी है। रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम में छात्र दिल्ली के जंतर-मंतर की तर्ज पर आंदोलन कर रहे हैं।

छात्रों की मांग है कि **JPSC** और **JSSC** की परीक्षाएं रद्द की जाएं और पेपर लीक करने वालों पर कार्रवाई की जाए। अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए छात्रों ने मशाल जुलूस समेत कई तरह के प्रदर्शन किए हैं।

10 दिन बीत जाने के बाद राज्य सरकार छात्रों से बातचीत के लिए तैयार हुई है। सरकार ने इसके लिए एक कमेटी बनाने का निर्णय लिया है। हालांकि, हेमंत सरकार का कोई भी प्रतिनिधि अब तक छात्रों से बातचीत करने नहीं पहुंचा है। मंच ने 6 अगस्त को विधानसभा मार्च का आह्वान किया है। आंदोलनकारियों का दावा है कि बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और गुजरात समेत कई राज्यों से छात्रों और सामाजिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है।

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 6 विकेट गिरे, बढ़त सिर्फ 60 रन; सभी विकेट साजिद-उस्मान के नाम

त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वींस पार्क ओवल में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन पाकिस्तान ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। वेस्टइंडीज को पहली पारी में 344 रन पर समेटने के बाद पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की बढ़त हासिल की।

इसके जवाब में मेजबान टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 103 रन बनाए। उसकी बढ़त अब सिर्फ 60 रन की रह गई है। ऐसे में चौथे दिन पाकिस्तान के सामने छोटा लक्ष्य आने की उम्मीद है और टीम जीत की मजबूत स्थिति में नजर आ रही है।

तीसरे दिन का आखिरी सत्र मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। शुरुआती समय में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाजों ने पाकिस्तान की बढ़त खत्म कर दी थी, लेकिन इसके बाद स्पिनर साजिद खान और अली उस्मान ने लगातार विकेट लेकर मैच का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ दिया।

साजिद खान ने तेजनारायण चंद्रपॉल को LBW आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने शाई होप और नाइटवॉचमैन जेडन सील्स को भी पवेलियन भेजा। वहीं अली उस्मान ने दिन की आखिरी गेंद पर रोस्टन चेज का अपनी ही गेंद पर कैच लपककर वेस्टइंडीज को छठा झटका दिया।

अब वेस्टइंडीज के सिर्फ चार विकेट बाकी हैं। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखना आसान नहीं होगा।

शफीक के 150 रन से पाकिस्तान को मिली बढ़त

इससे पहले पाकिस्तान की पहली पारी 387 रन पर सिमट गई। सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने शानदार 150 रन बनाए और टीम को पहली पारी में 43 रन की अहम बढ़त दिलाई।

हालांकि, तीसरे दिन के पहले सत्र में पाकिस्तान ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवा दिए। बाबर आजम 88 रन पर रन आउट हो गए। इसके बाद डेब्यू कर रहे अजान जफर बिना खाता खोले आउट हुए, जबकि सलमान आगा भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। पाकिस्तान ने 5 रन के भीतर 3 अहम विकेट गंवा दिए।

इसके बाद मोहम्मद रिजवान (22 रन) और साजिद खान (20 रन) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम की बढ़त 43 रन तक पहुंचाई।

वॉरीकन ने लिए 6 विकेट

वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वॉरीकन सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 42 रन देकर 6 विकेट लिए। वॉरीकन ने उबैद शाह और मोहम्मद अली को लगातार गेंदों पर आउट किया, हालांकि वह हैट्रिक से चूक गए। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत ही वेस्टइंडीज पाकिस्तान को पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने से रोक सका।

बिजनेस न्यूज

शेयर बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 500 अंक उछलकर 79,050 पर पहुंचा, निफ्टी 24,650 के पार

नई दिल्ली। बुधवार, 5 अगस्त को घरेलू शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 500 अंक से अधिक चढ़कर 79,050 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 20 अंक की बढ़त के साथ 24,650 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत और विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। बाजार में चुनिंदा सेक्टरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली, जिससे प्रमुख सूचकांकों को मजबूती मिली।

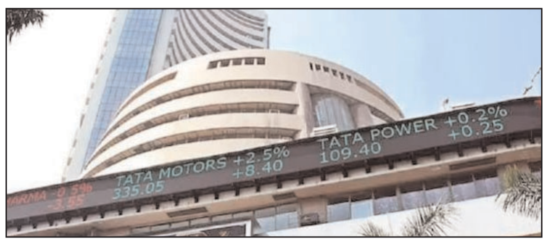

एशियाई बाजारों में भी उत्साह का माहौल रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 4.23 प्रतिशत और जापान का निक्केई3 लगभग 3 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग भी मामूली बढ़त में रहा। वैश्विक बाजारों की इस मजबूती का सकारात्मक असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला।

अमेरिकी बाजारों ने भी निवेशकों का मनोबल बढ़ाया। 4 अगस्त के कारोबारी सत्र में डाउ जोन्स 907 अंक, नैस्डैक 671 अंक और एसएंडपी 500 136 अंक की मजबूती के साथ बंद हुए। अमेरिकी बाजारों की इस तेजी ने एशियाई और भारतीय बाजारों को सकारात्मक संकेत दिए।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई/ एफपीआई) की खरीदारी का सिलसिला भी जारी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने 2,447 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की है। पिछले सात कारोबारी दिनों में विदेशी निवेशकों की कुल खरीदारी 7,270 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 936 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की, लेकिन विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के चलते बाजार पर इसका अधिक असर नहीं पड़ा।

गाड़ी का बीमा नहीं तो पेट्रोल-डीजल न मिले: सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- नई कारों का बीमा 4 और बाइक के लिए 6 साल का हो

नई दिल्ली। जिस गाड़ी का थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस नहीं है, तो उसे पेट्रोल-डीजल ना दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को यह पायलट प्रोजेक्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। इसके तहत बीमा न होने पर पेट्रोल पंपों पर गाड़ियों को फ्यूल देने से मना कर दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही नई गाड़ियों के लिए अनिवार्य थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस की समय सीमा भी बढ़ा दी है। आइए सवाल-जवाब में समझते हैं कि कोर्ट का निर्देश क्या है, यह कैसे लागू होगा और इसका आम जनता पर क्या असर पड़ेगा ।

सुप्रीम कोर्ट ने पेट्रोल-डीजल और गाड़ियों के इंश्योरेंस को लेकर क्या निर्देश दिया?

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का निर्देश दिया है। इसके तहत पेट्रोल पंपों को गाड़ियों के वैलिड थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस से जोड़ा जाएगा।

अगर किसी गाड़ी का बीमा वैलिड नहीं पाया जाता है, तो पेट्रोल पंप पर उसे पेट्रोल या डीजल देने से मना कर दिया जाएगा। जब तक गाड़ी मालिक बीमा नहीं करा लेता, तब तक गाड़ी को ईंधन नहीं मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इतना सख्त कदम उठाने का फैसला क्यों किया?

कोर्ट के सामने पेश आंकड़ों के मुताबिक, देश की सड़कों पर चलने वाली गाड़ियों में से लगभग 56% गाड़ियों का कोई बीमा ही नहीं है।

स्टैंडिंग कमेटी ऑन फाइनेंस (2024-25) की रिपोर्ट के अनुसार, जब इन वाहनों से सड़क हादसे होते हैं, तो पीड़ितों या उनके परिवारों को उचित और समय पर मुआवजा नहीं मिल पाता।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

नीरज चोपड़ा ने कॉमनवेल्थ गेम्स के सिल्वर को खास बताया: कहा- चोट से वापसी करना दूरी से ज्यादा अहम

नई दिल्ली। ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जीते सिल्वर मेडल को एक खास उपलब्धि बताया है।

नीरज ने कहा कि यह मेडल उनके लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने पिछले 10 महीनों में कई चोटों और मुश्किल रिकवरी प्रक्रिया का सामना किया है।

नीरज ने जैवलिन थ्रो इवेंट में 85.83 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ सिल्वर जीता था, जबकि यशवीर सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। यह भारत के लिए पोडियम पर यादगार 1-2 फिनिश रही।

नीरज ने लिखा कि कुछ थ्रो दूर तक जाते हैं, लेकिन कुछ पल पूरी यात्रा का भार लिए होते हैं। यह मेडल दूरी से कहीं ज्यादा मायने रखता है। पिछले 10 महीने मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहे। मैंने कई चोटों से उबरने, शरीर को फिर से तैयार करने और अपनी लय वापस पाने के लिए संघर्ष किया।

नीरज ने आगे कहा कि जब मैं सिर्फ प्रतिस्पर्धा करना चाहता था, तब मुझे धैर्य रखना सीखना पड़ा। मैं हर दिन ट्रेनिंग कर रहा था, लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि क्या मैं इस साल किसी सीजन में हिस्सा ले पाऊंगा।

नीरज ने अपनी वापसी का श्रेय अपने फिजियो, कोच, परिवार और समर्थकों को दिया है। उन्होंने कहा कि इस स्तर पर वापस आकर प्रतिस्पर्धा करना अच्छा लग रहा है। यह सब मेरे अकेले के दम पर संभव नहीं था। मैं उन लोगों का आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा बनाए रखा। उन्होंने अपने फिजियो ईशान का जिक्र करते हुए कहा कि वे रिकवरी के हर कदम पर मेरे साथ रहे। कोच जय, जो मेरे साथ तब से हैं जब मैंने पहली बार जैवलिन उठाया था और मेरा परिवार, जो हर परिस्थिति में मेरे साथ मजबूती से खड़ा रहा। नीरज ने कहा कि वे अब सीजन में आगे बढ़ने पर ध्यान दे रहे हैं।

आयोजकों ने सोमवार को पुष्टि की कि नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लॉसेन डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। 'एथलेटिसिमा' के नाम से मशहूर इस इवेंट में नीरज चौथी बार भाग लेंगे। कॉमनवेल्थ गेम्स में 85.83 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीतने के बाद, नीरज अब अपनी टॉप फॉर्म में वापसी करने की कोशिश करेंगे।

प्रज्ञानानंदा ने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज का खिताब जीता :रैपिड में बनाई बढ़त बरकरार रखी, ब्लिट्ज में भी टॉप पर रहे

भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब जीत लिया। अमेरिका में खेले गए ग्रैंड चेस टूर के इस टूर्नामेंट में उन्होंने रैपिड मुकाबलों में बनाई बढ़त को ब्लिट्ज राउंड में भी बरकरार रखा और ट्रॉफी अपने नाम की।

रैपिड राउंड में बनाई बढ़त प्रज्ञानानंदा ने रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद 18 में से 12 अंक जुटाकर पॉइंट टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया था। इस दौरान उन्होंने जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराया, जबकि नीदरलैंड्स के अनिश गिरी के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ रहा। रैपिड में मिली बढ़त ने उन्हें टूर्नामेंट के बाकी राउंड में मजबूत स्थिति में रखा।

ब्लिट्ज में भी बनाए रखी लय

ब्लिट्ज राउंड में भी प्रज्ञानानंदा ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव समेत अन्य खिलाड़ियों ने उन्हें चुनौती दी, लेकिन उन्होंने अहम मुकाबलों में अंक जुटाकर अपनी बढ़त कायम रखी और खिताब जीत लिया।

जहीर खान ने लंका प्रीमियर लीग में टीम खरीदी: जाफना के को-ऑनर बने; द्रविड़, युवराज और तेंदुलकर भी टीम खरीद चुके

पूर्व क्रिकेटर जहीर खान ने लंका प्रीमियर लीग में टीम खरीदी है। वे जाफना फ्रेंचाइजी के को-ऑनर बन गए हैं।

जहीर ने एंकर स्पोर्ट्स एबी के साथ टीम को टेकओवर किया, जिसके बाद इसका नाम बदलकर 'एंकर जाफना किंग्स' कर दिया गया है।

जहीर से पहले राहुल द्रविड़, युवराज सिंह और सचिन तेंदुलकर जैसे भारतीय दिग्गज भी अलग-अलग टी20 लीगों में टीमों में निवेश कर चुके हैं।

जहीर बोले- श्रीलंकाई क्रिकेट से जुड़कर एक्साइटेड हूं

जहीर खान ने कहा कि उन्होंने हमेशा श्रीलंका के बॉलिंग टलैंट की तारीख की है। उन्होंने श्रीलंका में काफी क्रिकेट खेला है और उनकी वहां से जुड़ी कई अच्छी यादें हैं।

जहीर ने कहा कि अब एक मालिक के तौर पर श्रीलंकाई क्रिकेट का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद रोमांचक है और वे एंकर जाफना किंग्स के साथ काम शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं।

युवा खिलाड़ियों को मिलेगा जहीर का अनुभव

लंका प्रीमियर लीग के टूर्नामेंट डायरेक्टर सामंथा डोडनवेला ने जहीर खान के जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि जहीर जैसे कद के व्यक्ति का टीम से जुड़ना पूरी लीग के लिए एक बड़ा बूस्ट है।

किस क्रिकेटर ने कौन सी टीम खरीदी

सचिन तेंदुलकर
टीम : शिकागो स्टार्स
लीग : नेशनल क्रिकेट लीग

राहुल द्रविड़
टीम : डबलिन गार्डियंस
लीग : यूरोपीय टी20 लीग

युवराज सिंह
टीम : कोलंबो सुपरस्टार्स स्ट्राइकर्स, न्यूयॉर्क
लीग : श्रीलंका प्रीमियर लीग, अबू धाबी T10

क्रिस गेल
टीम : वेस्टइंडीज मास्टर्स
लीग : इंटरनेशनल मास्टर्स लीग

सिंधु को वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में 9वीं सीड मिली: सात्विक-चिराग को 5वीं वरीयता; 17 अगस्त से नई दिल्ली में टूर्नामेंट

2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु को महिला सिंगल्स में 9वीं वरीयता दी गई है। वहीं, स्टार पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को 5वीं वरीयता मिली है।

सोमवार को वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों की वरीयता सूची जारी कर दी गई है। यह चैंपियनशिप नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली है।

चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का क्वालिफिकेशन 28 अप्रैल 2026 की वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर हुआ था, जबकि वरीयता 28 जुलाई 2026 की रैंकिंग के अनुसार तय की गई है।

सिंधु ने पिछले महीने जापान ओपन जीता था। जबकि सात्विक और चिराग 2022 एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

भारत के पास चैंपियनशिप की सभी पांच श्रेणियों में दो-दो प्रविष्टियां हैं। इनमें से चार श्रेणियों में कम से कम एक भारतीय खिलाड़ी या जोड़ी को वरीयता मिली है।

सिंधु और सात्विक-चिराग के अलावा, पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पुरुष सिंगल्स में 14वीं वरीयता दी गई है। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 15वीं वरीयता मिली है।

पुरुष सिंगल्स में चीन के वर्ल्ड चैंपियन शी यूकी और महिला सिंगल्स में दक्षिण कोरिया की स्टार एन से यंग टॉप सीड हैं। महिला सिंगल्स में जापान की वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची को दूसरी वरीयता मिली है, जबकि चीन की वांग झी यी और चेन यूफेई क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

पुरुष डबल्स में दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे टॉप पर हैं। महिला डबल्स में चीन की लियू शेंग शू और टैन निंग को पहली वरीयता मिली है। मिक्स्ड डबल्स में चीन के ही फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग टॉप सीड हैं।

चैंपियनशिप के लिए ड्रॉ बुधवार को दिल्ली में निकाला जाएगा। यदि ड्रॉ से पहले कोई वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अपना नाम वापस लेता है, तो अंतिम वरीयता सूची में बदलाव हो सकता है। यह टूर्नामेंट इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

संत रविदास ने समरसता, समानता और भक्ति का जो मार्ग दिखाया, वही विकसित और सशक्त भारत की आधारशिला : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज का जीवन समरसता, समानता, भक्ति, श्रम और सामाजिक न्याय का अमर संदेश है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने सदियों पहले थे। संत रविदास ने समाज को ऊंच-नीच, भेदभाव और छुआछूत से ऊपर उठकर मानवता, समान अधिकार और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया। यही मार्ग विकसित, समरस और सशक्त भारत की आधारशिला है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कलश वंदन महाअभियान के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास की जन्मस्थली से लाए गए पवित्र मिट्टी एवं जल से भरे कलश को श्रद्धापूर्वक अपने मस्तक पर धारण कर संत रविदास के छायाचित्र के समक्ष स्थापित किया। मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजन-अर्चन कर संत रविदास को नमन किया तथा इसे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया।

संत रविदास के सम्मान में मुख्यमंत्री ने की महत्वपूर्ण घोषणाएं

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संत रविदास के सम्मान में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में अगले वर्ष 2027 में उनकी जयंती (माघी पूर्णिमा) को प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस दिन प्रदेशभर में मांस एवं मदिरा का विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर प्रदान किए जाने वाले राज्य अलंकरण पुरस्कारों में संत शिरोमणि गुरु रविदास के नाम से एक राज्य अलंकरण पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। साथ ही नवा रायपुर के एक प्रमुख चौक का नामकरण भी संत गुरु रविदास के नाम पर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में संत रविदास के प्रसिद्ध संदेश –

'ऐसा चाहूं राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन्न।
छोट-बड़ो सब सम बसैं, रविदास रहैं प्रसन्न।।' – का अंकन कराने के लिए विधानसभा अध्यक्ष से चर्चा कर प्रयास किया जाएगा।

जब-जब समाज में अन्याय बढ़ा, तब-तब संतों और महापुरुषों ने नई दिशा दी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भारत संतों, ऋषियों और महापुरुषों की पावन भूमि है। जब-जब समाज में अन्याय, अत्याचार, ऊंच-नीच, छुआछूत और भेदभाव जैसी विकृतियां बढ़ीं, तब-तब संतों और महापुरुषों ने समाज को नई दिशा प्रदान की। संत रविदास ने अपने जीवन और उपदेशों के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता और भक्ति का ऐसा संदेश दिया, जिसने समाज को नई चेतना प्रदान की। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने तत्कालीन शासक सिकंदर लोदी के धर्मांतरण के दबाव का भी साहसपूर्वक विरोध किया और यह संदेश दिया कि सभी मनुष्य समान हैं तथा ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग केवल सच्ची भक्ति और सदाचार है। उनका प्रसिद्ध संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' आज भी समाज को आंतरिक शुद्धता और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाता है। मुख्यमंत्री ने संत रविदास से जुड़ा प्रसंग भी साझा किया और कहा कि उनकी अटूट भक्ति और तपस्या के प्रभाव से कठौती में गंगा प्रकट होने की घटना केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि यह संदेश है कि सच्ची श्रद्धा और निर्मल मन से ईश्वर की प्राप्ति संभव है।

इसरो के वैज्ञानिकों ने किया जिला विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा का भ्रमण

रायपुर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रोफेसर आनंद और उनकी विशेषज्ञ टीम ने जिला विज्ञान केंद्र, दंतेवाड़ा का भ्रमण कर यहां संचालित वैज्ञानिक और शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया।

इसरो के वैज्ञानिकों ने किया जिला विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा का भ्रमण

टीम ने विज्ञान केंद्र की स्पेस गैलरी, फिजिक्स गैलरी, माइनिंग गैलरी, विभिन्न विज्ञान प्रदर्शनों, वर्किंग मॉडल्स और विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'करके सीखें' गतिविधियों का निरीक्षण किया। वैज्ञानिकों ने सुदूर जनजातीय क्षेत्र के बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए जिला प्रशासन और विज्ञान केंद्र की पहल की सराहना की।

उन्होंने कहा कि विज्ञान केंद्र बच्चों को प्रयोगों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। इसरो की टीम ने केंद्र प्रमुख उपेंद्र गौतम और उनकी टीम द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की।

वैज्ञानिकों ने केंद्र में नियमित रूप से आयोजित शैक्षणिक भ्रमण, 'कबाड़ से जुगाड़' विज्ञान गतिविधियां और खगोल विज्ञान पर आधारित डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन को विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा बढ़ाने की दिशा में प्रभावी पहल बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों को विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से साकार हो रहा सुशासन का संकल्प

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई सीएम हेल्पलाइन 1076 आज प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेह प्रशासन की सशक्त पहचान बन चुकी है। यह केवल शिकायत दर्ज कराने का माध्यम नहीं, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी और संतोषजनक समाधान का भरोसेमंद मंच बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से शासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ है, जिससे नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

कोरबा जिले में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जिला स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से सभी विभागों के अधिकारियों को लंबित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यही सतत मॉनिटरिंग और जवाबदेह कार्यप्रणाली जिले के बेहतर प्रदर्शन का आधार बनी है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कोरबा जिले में अब तक 4042 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 73.60 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है, जो राज्य के औसत 63.84 प्रतिशत से अधिक है। इसी प्रकार जिले में प्राप्त फीडबैक में 61.37 प्रतिशत शिकायतकर्ताओं ने समाधान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जो राज्य के औसत 55.68 प्रतिशत से बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। इन आंकड़ों के पीछे अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जहां मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान हुआ और उन्हें त्वरित राहत मिली। कोरबा के विकासखंड पाली के ग्राम पोलमी निवासी गौरीबाई के पास राशन कार्ड नहीं होने के कारण वे विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित थीं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही अधिकारियों ने संवेदनशीलता के साथ आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर जनपद पंचायत पाली के माध्यम से उन्हें अंत्योदय राशन कार्ड उपलब्ध कराया। अब उन्हें खाद्यान्न सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सहजता से मिल रहा है।

अवैध रेत उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन पर करें सख्त कार्यवाही : मंत्री मंत्री बघेल

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। मंत्री श्री बघेल ने बैठक में खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने रेत, मुरुम, पत्थर सहित अन्य गौण खनिजों के अवैध कारोबार पर सख्ती से नियंत्रण रखने तथा नियमित जांच एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग का समीक्षा करते हुए कहा कि खाता विभाजन, नामांतरण, सीमांकन, बंदोबस्त त्रुटि सुधार, न्यायालयीन प्रकरण एवं डायवर्सन संबंधी मामलों का गुणवत्तापूर्ण और शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लंबित एनओसी प्रकरणों का भी समयबद्ध निराकरण करने तथा अनावश्यक विलंब नहीं होने देने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू, कलेक्टर बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, वनमण्डलाधिकारी शशिगानंदन के, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री बघेल ने ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने, भूमिहीन परिवारों को स्वीकृत आवासों की प्रगति पर नियमित निगरानी रखने तथा व्यक्तिगत शौचालयों का शत-प्रतिशत निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष बल देते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए ब्लॉक स्तर पर बड़े कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। जहॉ विभागीय अधिकारी बैंक एवं उनके मंशा अनुरूप आजीविका कार्यों को फार्म भराकर उन्हें आजीविका उपलब्ध कराने के लिए ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

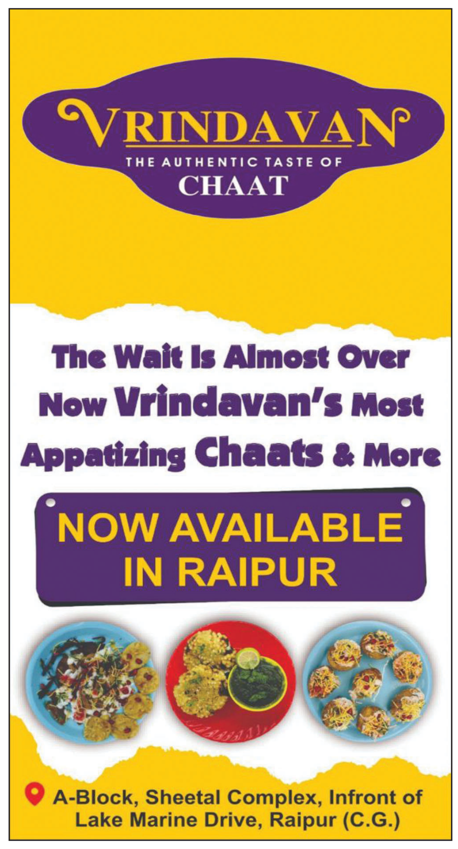

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684